RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 रणबी की पड़ोसी बनीं तृप्ति...

वर्ष : 26 अंक : 168 website:www.chetnamanch.com नोएडा, रविवार, 09 जून, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

नरेंद्र मोदी 3.0 सरकार का शपथ ग्रहण

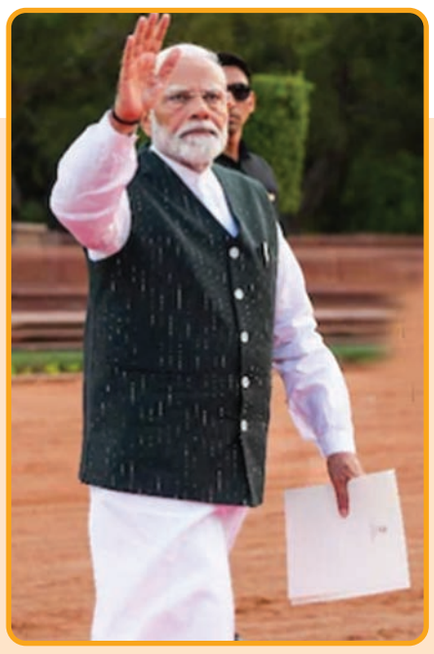

मोदी कैबिनेट 3.0 का हिस्सा होंगे पुरानी सरकार के 20 मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। आज देश में नई सरकार की गठन होगा। नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। करीब छह दशक के बाद यह पहली बार होगा जब कोई नेता लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेगा। नरेंद्र मोदी की ताजपोशी के साथ उनके नेतृत्व वाली तीसरी सरकार काम करना शुरू कर देगी।

मोदी लगातार कहते रहे हैं कि उनका तीसरा कार्यकाल बड़े फैसलों वाला होगा। पिछले 10 साल का कार्य तो सिर्फ ट्रेलर है। जब उन्हें एनडीए संसदीय दल का नेता चुना गया तब भी उन्होंने ये बातें दोहराई। मोदी के दूसरे कार्यकाल में जम्मू कश्मीर से धारा 370 का हटाना, राम मंदिर का निर्माण, नागरिकता अधिनियम कानून का लागू होना बड़े फैसलों के रूप में गिना जाता है। ऐसे में लोगों के मन भी सवाल है कि आखिर इस बार एनडीए सरकार कौन से बड़े और कड़े फैसले ले सकती है? आखिर किन क्षेत्रों में बड़े निर्णय हो सकते हैं?

चारों प्रमुख मंत्रालय अपने पास रखेगी बीजेपी

पिछली एनडीए सरकार के 20 मंत्री ऐसे हैं, जो मोदी के तीसरे कार्यकाल वाली सरकार का भी हिस्सा होंगे। इनमें बीजेपी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह, अमित शाह, पीयूष गोयल समेत कई के नाम शामिल हैं। इसके अलावा, ज्योतिरादित्य सिंधिया, नितिन गडकरी की भी मोदी कैबिनेट में वापसी हो रही है। वहीं, पहली बार मंत्री बनने वालों में शिवराज सिंह चौहान, हर्ष मल्होत्रा, रवनीत बिट्टू आदि का नाम है।

नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह आज शाम सवा सात बजे होना है। सूत्रों के अनुसार, मोदी कैबिनेट 3.0 में पिछली सरकार में मंत्री रहे जितेंद्र सिंह, सर्बानंद सोनोवाल, निर्मला सीतारमण, एस जयशंकर, गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय का भी नाम शामिल है। इसके अलावा, किरेन रिजीजू, अश्विनी वैष्णव, मनसुख मांडविया को भी मंत्री बनाया जाना तय है। ये सभी नेता प्रधानमंत्री मोदी के आवास पर बैठक के लिए पहुंचे हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों में बीजेपी को इस बार बड़ा झटका लगा है। पार्टी बहुमत के आंकड़े से चूक गई। हालांकि, 240 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी जरूर बन गई है। जेडीयू और टीडीपी जैसे दलों ने बीजेपी को सहयोग करने का फैसला लिया है।

सूत्रों के अनुसार, बहुमत नहीं मिलने के बाद भी चार बड़े मंत्रालय बीजेपी के पास ही रहेंगे। पिछली सरकार में ये मंत्रालय गृह, रक्षा, वित्त और विदेश मंत्रालय हैं। पिछली सरकार में गृह मंत्रालय अमित शाह के पास था, जबकि राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री थे। इसके अलावा, निर्मला सीतारमण वित्त मंत्री और एस जयशंकर विदेश मंत्री थे। ये चारों मंत्रालय बीजेपी नेताओं के पास ही रहने वाले हैं।

कौन-कौन फिर से बनेगा मंत्री?

मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में कैबिनेट का हिस्सा रहने वाले अमित शाह, मनसुख मंडाविया, अश्विनी वैष्णव, निर्मला सीतारमण, राव इंद्रजीत सिंह, पीयूष गोयल, जितेंद्र सिंह, हरदीप सिंह पुरी, नितिन गडकरी, राजनाथ सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरेन रिजिजू, गिरिराज सिंह, जी किशन रेड्डी, अर्जुन राम मेघवाल, प्रहलाद जोशी, सोनोवाल, अनुप्रिया पटेल, शोभा करंदलाजे, राम दास अठावले फिर से मंत्री बनने जा रहे हैं।

बीजेपी ने इस लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु, केरल जैसे राज्यों में बड़ी सेंधमारी की है। केरल में जहां एक सीट जीती है, तो वहीं, तमिलनाडु में एक भी सीट तो नहीं मिली, लेकिन वोट शेयर में बड़ा उछाल आया है। पिछले लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु में महज 3.6 फीसदी वोट हासिल करने वाली बीजेपी इस बार 11.24 फीसदी तक पहुंच गई। इसके पीछे बीजेपी के राज्य प्रमुख अन्नामलाई को भी क्रेडिट दिया जा रहा है। इसी वजह से मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में अन्नामलाई को भी मंत्री बनाया जा रहा है। आने वाले समय में अन्नामलाई को राज्यसभा के जरिए बीजेपी संसद पहुंचाएगी।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी इस बार मोदी कैबिनेट का हिस्सा होने जा रहे हैं। इसके अलावा, जितिन प्रसाद का भी नाम शामिल है। इसके अलावा, रक्षा खडसे, राव इंद्रजीत सिंह, मनोहर लाल खट्टर, शांतनु ठाकुर, जी किशन रेड्डी, हरदीप सिंह पुरी, बंडी संजय, शोभा करंदलाजे, रामदास अठावले, हर्ष मल्होत्रा, ललन सिंह, अनुप्रिया पटेल, जयंत चौधरी, चिराग पासवान, सुरेश गोपी, जीतन राम मांझी, रामनाथ ठाकुर, प्रह्लाद जोशी, रवनीत सिंह बिट्टू आदि के नाम शामिल हैं। वहीं, दिल्ली से चुनाव जीतने वाले हर्ष मल्होत्रा भी मोदी सरकार का हिस्सा बनने जा रहे हैं।

शपथ ग्रहण पर जी-20 जैसी सुरक्षा

दिल्ली में जी-20 जैसे हवाई सुरक्षा के बंदोबस्त किए गए हैं। शपथ ग्रहण समारोह तक दिल्ली नो फ्लाई जोन में तब्दील कर दिया गया है. यह पूरा ऑपरेशन इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम के जरिए मॉनिटर हो रहा है. इतनी चाक चौबंद व्यवस्था इसलिए की जा रही है क्योंकि लंबे समय तक राष्ट्रपति भवन के खुले आसमान के नीचे देश और विदेश के सभी गणमान्य व्यक्ति रहेंगे. सूत्रों के मुताबिक किसी ही हवाई खतरे की आशंका को देखते हुए दिल्ली को अभेद्य किले में तब्दील किया गया है। पूरे शपथ ग्रहण समारोह के दौरान किसी भी तरह के हवाई हमले से निपटने के लिए दिल्ली और दिल्ली के आसपास के इलाकों में तैनात वायुसेना के एयर डिफेंस सिस्टम को एक्टिव कर दिया गया है। इसके तहत वेस्टर्न बॉर्डर यानी कि पाकिस्तान से लगती सीमा पर हर वक्त भारतीय वायुसेना के फाइटर जेट 24 घंटे कॉम्बेट एयर पेट्रोलिंग पर रहेंगे. इसके साथ ही सभी लंबी, मध्यम और छोटी रेंज के रडार लागातार किसी भी अवांछित हवाई खतरे को मॉनिटर कर रहे है।

वेस्टर्न बॉर्डर के सभी एयर बेस को हाई अलर्ट पर रहने को कहा गया और महज कुछ मिनट के भीतर किसी भी एयर बेस से फाइटर जेट उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार रहेंगे। इसके अलावा अवॉक्स (एयरबॉर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम) विमान भी लगातार उड़ान भरता रहेगा. इसका काम सर्विलांस, ट्रैकिंग, आइडेंटिफिकेशन और क्लॉसिफिकेशन का है। यह सिस्टम बैलेस्टिक मिसाइल का भी पता लगा सकता है।

इसके अलावा वायुसेना के लड़ाकू विमान लगातार दिल्ली और उसके आस-पास भी आसमान में नजर बनाए रखेंगे. पूरे हवाई क्षेत्र को साफ और सुरक्षित रखना वायुसेना की जिम्मेदारी है। जिसके तहत कोई भी ऐसी चीज जैसे कि कोई भी नीचे उड़ने वाली चीज, एयरक्राफ्ट या ड्रोन आसमान में नहीं होना चाहिए. आज और कल के लिए दिल्ली में ऐसी हर चीज पर पाबंदी लगाई गई है।

ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए एआरटीओ में नहीं देना होगा टेस्ट, बनेंगे दो प्राइवेट सेंटर

नोएडा(चेतना मंच)। अब ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) बनवाने के लिए एआरटीओ में टेस्ट देने जाने की जरूरत नहीं होगी। प्राइवेट ट्रेनिंग सेंटर भी अब ड्राइविंग टेस्ट लेंगे और प्रशिक्षण देंगे। जिले में दो प्राइवेट ट्रेनिंग सेंटर बनने ड्राइविंग टेस्ट बनने की कवायद शुरू हो गई है।

अगले चार माह में दोनों सेंटरों का संचालन शुरू होने की उम्मीद है। एआरटीओ कार्यालय पर लिए जाने वाले टेस्ट को देने की जरूरत नहीं होगी। अभी लाइसेंस बनवाने के लिए एआरटीओ कार्यालय में टेस्ट देना पड़ता है। टेस्ट व विभागीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही डीएल मिलता है।

एआरटीओ प्रशासन सियाराम वर्मा ने बताया कि सड़क हादसे कम करने के लिए हल्के व भारी वाहनों को चलाना सिखाकर प्रशिक्षण देकर दक्ष किया जा सके। इसके लिए शासन स्तर से प्राइवेट क्षेत्र में प्रत्यायन ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर (एडीटीसी) बनाए जा रहे हैं।

प्रदेश के 58 जिलों में से गौतमबुद्ध नगर को भी शामिल किया गया है। जिले में दादरी और गौतमबुद्ध नगर में एडीटीसी बनने की दिशा में काम चल रहा है। इनको लेटर आफ इंटेंट दिया जा चुका है। दादरी वाले केंद्र की स्थापना संबंधी काम लगभग पूरा हो चुका है।

इसके भौतिक सत्यापन की रिपोर्ट बनाकर एआरटीओ विभाग की ओर से शासन को भेजी जा चुकी है। अब राज्य परिवहन प्राधिकरण की ओर से प्रमाण पत्र दिया जाएगा। हालांकि जिले में तीसरा सेंटर भी बनाया जाना है। इसको बनाने की दिशा में काम जारी है।

औसतन प्रतिदिन बनते हैं 135 लाइसेंस

एआरटीओ कार्यालय गौतमबुद्धनगर पर प्रतिदिन 200-300 आवेदक पहुंचते हैं। आंकड़ों के आधार पर (वर्ष 2023 में 49,482 डीएल बने) कार्यालय पर प्रतिदिन औसतन 135 लाइसेंस बनते हैं। अब इन आवेदकों को कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी। विभाग की ओर से डीएल बनवाने की प्रक्रिया ऑनलाइन की हुई है, लेकिन परमानेंट डीएल के लिए कार्यालय आकर बायोमैट्रिक व फोटो खिंचवाना पड़ता है। अब निजी सेंटर बनने से आवेदकों की पूरी प्रक्रिया होने के बाद आनलाइन डीएल डाउनलोड हो जाएगा और फिजिकल डीएल घर पहुंच जाएगा।

एक-दो एकड़ में होंगे केंद्र

एआरटीओ ने बताया कि हल्के वाहन के लिए केंद्र बनाने को एक एकड़ जमीन जबकि भारी वाहन के दो एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी। इन केंद्रों पर लर्निंग लाइसेंस के प्रशिक्षण के लिए कक्षाओं का संचालन होगा जबकि परमानेंट लाइसेंस पाने को टेस्ट देने के लिए सिमुलेटर और आटोमेटिक ट्रैक पर प्रशिक्षण की भी व्यवस्था होगी। केंद्र प्रबंधक को चालकों को प्रशिक्षण देने के एवज में फीस मिलेगी। इन सेंटरों की मान्यता पांच वर्षों के लिए होगी। इसके बाद इनका रिन्यूअल कराना होगा।

1. मैसर्स शिवम मॉबर्ल, रेलवे रोड दादरी, गौतमबुद्ध नगर

2. सांई फायर एप्लाईसिस प्राइवेट लिमिटेड, गौतमबुद्ध नगर

आज होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा अध्यक्ष मनोज गुप्ता भी आमंत्रित

नोएडा (चेतना मंच)। आज दिल्ली में होने वाले एनडीए के शपथ ग्रहण समारोह में जहां देश भर से सैकड़ों नेता बुलाए गए हैं। वहीं नोएडा से भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता को भी आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा गौतमबुद्धनगर के भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष गजेंद्र मावी को भी कार्यक्रम का न्योता दिया गया है।

भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने बताया कि उनको विधिवत पार्टी हाई कमान से आज के कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता आया है तथा उनको विधिवत मैसेज भी दिया गया है। उन्होंने कहा कि आज शाम को वह इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम में अवश्य जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की ओर से उन्हें इस कार्यक्रम के लिए बुलाया गया है।

मालूम हो कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की तीसरी बार शपथ लेंगे। इस मौके पर पूरे देश भर से चुने गए भारतीय जनता पार्टी के कई बड़े नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है।

यादव बाहुल्य गांव गढ़ी चौखंडी में खिला कमल

सपा-कांग्रेस गठबंधन को 901 व भाजपा को 2601 वोट मिले

नोएडा (चेतना मंच)। यादव बाहुल्य गांवों में भारतीय जनता पार्टी सर्वाधिक वोट पाकर कमल खिलाने में कामयाब रही। इसी कड़ी में सेक्टर-78 स्थित गढ़ी चौखंडी गांव में कुल पड़े 3788 वोटों में से भाजपा प्रत्याशी डा. महेश शर्मा को 2601 वोट मिले। वहीं समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी डा. महेन्द्र नागर को 901 तथा बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी राजेन्द्र सोलंकी को 222 वोट मिले।

बता दें कि भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के अध्यक्ष रामनिवास यादव इसी गांव के निवासी हैं। जबकि इस गांव में समाजवादी पार्टी के कई दिग्गज नेता व कार्यकर्ता भी रहते हैं। गढ़ी-चौखंडी में बूथ सं0 579 में सपा को 149 व भाजपा को 338, बूथ सं0 580 में सपा को 95 व भाजपा को 417, बूथ सं0 581 में सपा को 89 व भाजपा को 408, बूथ सं0 582 में सपा को 127 व भाजपा को 444, बूथ सं0 583 में सपा को 204, भाजपा को 229, बूथ सं0 584 में सपा को 59 व भाजपा को 253, बूथ सं0 585 में सपा को 114 व भाजपा को 309 तथा बूथ सं0 586 में सपा को 64 तथा भाजपा को 203 वोट मिले। भाजपा के नेताओं का कहना है कि यह भाजयुमो अध्यक्ष तथा उनकी टीम की मेहनत व प्रचार का नतीजा है।

गॉर्डन गैलेरिया मॉल में दो पक्षों में मारपीट, चले लात-घूंसे

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-38ए स्थित गार्डन गैलेरिया मॉल में दो पक्षों में मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ लोग पीले रंग की टी-शर्ट पहले युवक की लात-घूंसों से पिटाई कर रहे हैं। बचाव में वह युवक भी हाथापाई करने का प्रयास कर रहा है। इसी बीच नीले रंग की शर्ट और काले रंग की पेंट पहने 8-10 लोग आ जाते हैं और पिट रहे युवक को बचाने का प्रयास करते हैं।

ऐसा लग रहा है कि जैसे ये लोग मॉल प्रबंधन की ओर से सुरक्षाकर्मी हैं। वह बार-बार पीले रंग की टी-शर्ट पहने युवक को बचाकर सुरक्षित जगह ले जाने का प्रयास करते हैं, लेकिन पीटने वाले लोग बार-बार उसे पकड़ लेते हैं और लात-घूंसे बजाने लगते हैं और जमीन पर घसीटने लगते हैं।

वीडियो में एक युवती जो उस युवक को बचाने का प्रयास कर रही है, लेकिन पीटने वाले युवकों की संख्या इतनी ज्यादा है कि सुरक्षाकर्मी और युवती के प्रयास विफल हो जाते हैं।

बताया जा रहा है कि दोनों पक्ष नशे में थे। झगड़ा किस बात को लेकर हुआ, यह अभी साफ नहीं हुआ है। एसीपी प्रवीण कुमार सिंह का कहना है कि वीडियो कहां का और कब का है इसकी जांच कराई जा रही है। दोनों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टी-20 विश्व कप: भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर लोगों में उत्साह

नोएडा के मॉल-रेस्टोरेंट में खास इंतजाम

नोएडा(चेतना मंच)। टी-20 विश्वकप में आज भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में खासा उत्साह है। शहर के माल व रेस्त्रा में सामूहिक मैच देखने के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। बड़े स्क्रीन लगाई गई है। कई सिनेमा हाल में भी एक स्क्रीन पर मैच का सजीव प्रसारण किया जाएगा।

वहीं, डीएलएफ, गार्डन गैलेरिया, गुलशन 129 माल समेत शहर के अन्य रेस्त्रा में खाने के साथ मैच का आनंद उठा सकेंगे। डीएलएफ के गेमिंग जोन में भी मैच देखने के लिए बड़ी स्क्रीन के साथ क्रिकेटर के कटआउट भी लगाए हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच आज शाम आठ बजे से टी-20 विश्वकप के लीग चरण का मैच खेला जाएगा। जबरदस्त प्रतिस्पर्धा को देखते हुए मैच को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में हर बार की तरफ खासा रोमांच है।

स्मोक फैक्टरी रेस्तरां बार के संचालक प्रियकांत बताते हैं कि लोगों ने पहले से ही अपनी-अपनी टेबल रिजर्व करा ली है।

कॉर्पोरेट कर्मचारियों को खास डिस्काउंट भी दिया जा रहा है। वहीं, कई तरह के कोंबो भी रखे गए हैं। भारत की जीत के बाद जश्न के तौर पर ढोल की बीट पर जमकर डांस भी होगा। सेक्टर-25ए स्थित मॉल के क्लब एंड लाउंज में लोग मैच देखने के साथ-साथ डीजे पर धमाल कर सकेंगे। बार के जनरल मैनेजर मनोज भंडारी ने बताया कि इसमें कॉरपोरेट ऑफर के साथ कॉम्बो पैक के ऑफर दिए जा रहे हैं, जो अभी से ही फुल हो चुके हैं। सेक्टर-18 स्थित मॉल में भी कुछ रेस्तरां व बार में बड़ी स्क्रीन पर मैच दिखाया जाएगा। इस मॉल में पब एंड बार के संचालक सौरभ सिंह ने बताया कि यहां आने वाले लोगों को लाइव मैच दिखाने के साथ-साथ खाने पर ऑफर भी दे रहे हैं। सेक्टर-18, 32 और 75 स्थित सभी मॉल में मैच दिखाने के इंतजाम किए गए हैं। सेक्टर-32 स्थित मॉल से जुड़े हुए अंगद माकन ने बताया कि यहां आने वाले लोगों को खुले में मैच देखने को मिलेगा। इसके लिए पांचवें फ्लोर पर बड़ी स्क्रीन लगाई है। वहीं, सेक्टर-18 स्थित डीएलएफ व सेक्टर-129 स्थित गुलशन मॉल में भी बड़ी स्क्रीन पर लोगों के लिए मैच देखने की व्यवस्था की गई है। गाजियाबाद, दिल्ली नोएडा को मिलाकर करीब 15 से अधिक ऑडिटोरियम और स्टेडियम में मैच की लाइव स्क्रीनिंग की जाएगी।

सेक्टर-सोसाइटियों में भी बंदोबस्त

सेक्टर-74 स्थित सुपरटेक केपटाउन सोसाइटी में भी मैच की लाइव स्क्रीनिंग की व्यवस्था की गई है। सोसाइटी निवासी नवीन दुबे बताते हैं कि मैच देखने के लिए खासा उत्साह है। मैच निश्चित ही भारत जीतेगा। वहीं, सेक्टर-61 में भी मैच देखने की व्यवस्था की गई है। निवासी अरुण कुमार बताते हैं कि इंडिया पाकिस्तान का मैच हो और उत्सुकता न हो, ऐसा संभव नहीं है। वहीं, सेक्टर-78 की कई सोसाइटियों के क्लब हाउस में मैच की लाइव स्क्रीनिंग की जाएगी।

पानी का बंटवारा

नदियों के जल के बंटवारे को लेकर राज्यों के बीच विवाद नया नहीं है। देश में कई राज्य नदियों के जल की हिस्सेदारी को लेकर मुकदमा लड़ रहे हैं। विभिन्न प्राधिकार बने हुए हैं, लेकिन विवादों का निपटारा नहीं हो पा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को यमुना का जल मिले और सुगमता से मिले, यह मुद्दा अब राजनीतिक स्वरूप ले चुका है। दिल्ली में जल संकट की स्थिति गंभीर है। गुरुवार को दिल्ली सरकार की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था दी कि हिमाचल प्रदेश 137 क्यूसेक अतिरिक्त जल छोड़ेगा और हरियाणा दिल्ली की तरफ पानी के प्रवाह को सुगम बनाएगा। यह व्यवस्था देते हुए शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी बिल्कुल सटीक है कि पानी को लेकर राजनीति नहीं होनी चाहिए। यह विडंबना है कि जब लोग प्यासे हों तो पानी छोड़ने को लेकर खींचतान मचे और जो राज्य दबाव डाल सकता है, वह अड़ जाए। हरियाणा और दिल्ली की सरकारों में हथिनीकुंड बांध से छोड़े जाने वाले पानी को लेकर अक्सर ठनी रहती है। इस बार दिल्ली सरकार उच्चतम न्यायालय पहुंची। इस मामले में शीर्ष न्यायालय ने मामले से जुड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश से पूछा कि वे दिल्ली को कितना पानी दे सकते हैं। हिमाचल ने हामी भरी। अब हिमाचल प्रदेश, हरियाणा को पूर्व सूचना देकर पानी छोड़ेगा और यूवाईआरबी हथिनीकुंड में आने वाले अतिरिक्त पानी को मापेगा ताकि इसे वजीराबाद और दिल्ली तक पहुंचाया जा सके। जाहिर है, दिल्ली को मिल रहा पानी हरियाणा रोक तो नहीं रहा, इसकी निगरानी शीर्ष अदालत करेगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि अदालत द्वारा दी गई इस व्यवस्था का समुचित पालन होगा। कोई सरकार रोड़े नहीं अटकाएगी और आम जन को सुगमता से पानी मिल सके, इसके लिए सभी मिलकर प्रयास करेंगे। इसके साथ ही लोगों को भी पानी बचाने की सामूहिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए, इसके लिए उन्हें पानी की खपत के लिए जिम्मेदाराना व्यवहार अपनाना चाहिए।

मोदी के बाद योगी ने खूब बहाया पसीना

आम चुनाव के नतीजों की उलटी गिनती शुरू हो गई है। अगर नतीजे एक्जिट पोल जैसे ही रहते हैं तो मोदी का प्रधानमंत्री बनना तय है। यूं तो हर जीत का सेहरा सेनापति के ही सेहरे पर बंधता है। नरेंद्र मोदी बीजेपी के हरावल दस्ते के अगुआ हैं, इसलिए निस्संदेह मौजूदा जीत उनकी ही होगी। लेकिन इस जीत के बीजेपी की ओर से कई और नायक भी हैं। मोदी और अमित शाह की जोड़ी को भारतीय राजनीति की सबसे सफल जोड़ी की प्रतिष्ठा हासिल हो चुकी है। जाहिर है कि इस जीत के नायक अमित शाह भी हैं। लेकिन बीजेपी के तीसरी बार सत्तारोहण में एक और शख्स की मेहनत भी शामिल है। ये शख्स हैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अठारहवीं लोकसभा के चुनाव को लेकर बीजेपी ने जबरदस्त मेहनत की। उसने बेहतर रणनीति बनाई। चुनावी मैदान पर वोटरों को लुभाने के लिए सबसे ज्यादा मेहनत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। 73 साल की उम्र में उन्होंने कितना पसीना बहाया, इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अकेले 206 चुनावी रैलियां की या रोड शो किए। पूर्वोत्तर भारत के कुछ-एक इलाकों को छोड़ दें तो तकरीबन समूचे देश में उन्होंने रैली और रोड शो नहीं किया है। भारत में अगर 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने वोटिंग किया है, उन्हें मतदान केंद्रों तक बुलाने में राजनीतिक दलों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। जिसमें सबसे बड़ी भूमिका प्रधानमंत्री मोदी की रही है। दिलचस्प यह है कि बीजेपी की ओर से लोगों को लुभाने के लिए जिन नेताओं ने मेहनत की है, उनमें दूसरे नंबर पर अगर कोई है तो वे हैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। उन्होंने देशभर में करीब 197 रोड शो और रैलियां की हैं। बीजेपी के चुनाव प्रचार में योगी आदित्यनाथ की मांग उत्तर प्रदेश में रहनी थी। वैसे उत्तर प्रदेश में पार्टी को जिताना उनकी जिम्मेदारी भी थी। लेकिन उत्तर प्रदेश के बाहर भी उनकी खूब मांग रही। योगी जी ने उत्तर प्रदेश से बाहर बारह राज्यों उत्तराखंड, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, जम्मू, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, ओडिशा, चंडीगढ़, हरियाणा और दिल्ली जैसे बारह राज्यों में उन्होंने प्रचार किया। योगी को लेकर देश का कथित प्रबुद्ध वर्ग विरोधी भाव रखता है। लेकिन चुनाव अभियान में प्रबुद्ध लोगों को लुभाने के लिए उन्होंने प्रबुद्ध लोगों की पंद्रह सभाओं को भी संबोधित किया।

मौजूदा चुनाव अभियान जैसे शुरू हुआ था, एक अफवाह फैलाई गई कि उत्तर प्रदेश में अगर बीजेपी जीती तो योगी आदित्यनाथ को हटा दिया जाएगा। चुनाव अभियान के दौरान बीजेपी के प्रति क्षत्रिय समुदाय के गुस्से की भी अफवाहें फैलीं। बीजेपी ने शुरू में तो इन अफवाहों पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी। लेकिन बाद में जब पार्टी को लगा कि इस अफवाह का नुकसान हो सकता है तो पार्टी को सामने आना पड़ा। प्रधानमंत्री मोदी को कई सभाओं में योगी की तारीफ करनी पड़ी। अलीगढ़ की सभा में 23 अप्रैल को मोदी ने जो कहा, उससे पार्टी में योगी की महत्ता का अंदाजा लगाया जा सकता है। तब मोदी ने कहा, 卐जो लोग योगी जी की पहचान सिर्फ बुलडोजर से करते रहते हैं मैं उनकी जरा आंखें खोलना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में आजादी के बाद जितना औद्योगिक विकास नहीं हुआ वो अकेले योगी जी के काल खंड में हुआ है. मोदी यहीं नहीं रूके। उन्होंने योगी सरकार द्वारा शुरू की गई %वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट% मिशन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसकी वजह से पूरे देश में उत्तर प्रदेश की नई इज्जत बनी है। योगी को उत्तर प्रदेश के विरोधी दल बुलडोजर बाबा कहते रहे हैं। इससे योगी की नकारात्मक छवि बनाने की कोशिश की जाती रही है। उत्तर प्रदेश की चुनावी सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने इसका उल्लेख करते हुए जो कहा, उस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। तब मोदी ने कहा था कि लोगों ने सिर्फ बुलडोज़र-बुलडोजर की बातें सुनी हैं। लेकिन उत्तर प्रदेश को अगर विकास की नई ऊंचाइयों पर कोई ले गया है तो योगी जी की सरकार लेकर गई है। योगी के खिलाफ चल रहे अफवाहों के जवाब में प्रधानमंत्री के इस बयान को भी देखा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने योगी की प्रशंसा करते हुए कह दिया कि काशी का सांसद होने के नाते, वे खुद उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधि हैं। इस लिहाज से योगी उनके भी मुख्यमंत्री हैं। प्रधानमंत्री के इस बयान से योगी को लेकर जैसे अफवाहों पर विराम ही लग गया। प्रधानमंत्री ने योगी की प्रशंसा में कशीदा पढ़ते हुए यहां तक कह दिया कि वे योगी जैसा साथी पाकर गर्व अनुभव करते हैं।

73 साल की उम्र में नरेंद्र मोदी ने कितना पसीना बहाया, इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अकेले 206 चुनावी रैलियां की या रोड शो किए। पूर्वोत्तर भारत के कुछ-एक इलाकों को छोड़ दें तो तकरीबन समूचे देश में उन्होंने रैली और रोड शो नहीं किया है।

नरेंद्र मोदी 73 साल के हो गए हैं। मोदी की जो कार्यशैली है, उसके हिसाब से समझा जा सकता है कि मौजूदा कार्यकाल के बाद वे अपने उत्तराधिकारी को लेकर भी सोच रहे होंगे। वैसे भारतीय जनता पार्टी में नेतृत्व का चुनाव किसी एक व्यक्ति के हाथ नहीं होता। पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए नेता का चुनाव करता है। नरेंद्र मोदी को 2012 के गुजरात विधान सभा चुनाव में मिली जीत के बाद से ही बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने अपना भावी नेता मान लिया था। पार्टी ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का दावेदार जुलाई 2013 में बनाया। एक तरह से वह कार्यकर्ताओं की ही सोच की अभिव्यक्ति थी। कुछ ऐसी ही पहुंच और पहचान इन दिनों योगी की भी बन रही है। वैसे बीजेपी के पास दूसरीं पांत के नेताओं की कमी नहीं है। लेकिन योगी अपने तरीके से उभर रहे हैं। बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अपराधियों, बलात्कारियों और माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए योगी का अचूक औजार बुलडोजर को अपना लिया है। इससे साबित होता है कि पार्टी के अंदरूनी हलके में उनकी स्वीकृति बढ़ी है।

योगी की सख्त प्रशासक की छवि लोगों को लुभाती है। रायबरेली में छठवें दौर में मतदान हुआ। वहां एक बुजुर्ग महिला मतदाता से जब पूछा गया कि उन्होंने किस मुद्दे पर वोट डाला है तो उस महिला ने मुद्दे पर सीधे आने की बजाय कह दिया कि अब उसे देर रात तक सिकड़ी-बाली (गले की सोने की चेन और कानों की बाली) पहनने में डर नहीं लगता। अब उसका बेटा देर से भी जिला से घर आता है तो उसे चिंता नहीं होती। यानी साफ है कि योगी जी के राज में उत्तर प्रदेश में सुरक्षा की गारंटी बढ़ी है। यह गारंटी महिलाओं को आश्वस्त करती है। इसी आश्वस्ति की जानकारी प्रकारांतर से महिला मतदाता ने दिया। योगी के साथ अच्छी बात यह है कि उनके आगे-पीछे कोई परिवार नहीं है। इसलिए उनकी ईमानदारी पर बाकी राजनेताओं की तुलना में ज्यादा भरोसा किया जाता है। शायद यही वजह है कि योगी आदित्यनाथ बीजेपी में दूसरी पांत की नेताओं में सबसे ज्यादा स्वीकार्य बने हैं। यही वजह है कि उन्हें हटाने को लेकर फैली अफवाह पर बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा तक को कहना पड़ता है कि योगी बीजेपी के सबसे योग्य मुख्यमंत्री हैं और उन्हें हटाने के लिए सोचा भी नहीं जा सकता।

शीर्ष नेतृत्व की जिम्मेदारी हासिल करने के लिए उस योग्य भी होना पड़ता है। लेकिन इसके अलावा राजनीति में कई और कारक भी होते हैं। उन वजहों की कसौटी पर योगी कितने खरे उतर पाएंगे, यह तो भविष्य ही बताएगा। फिर भी योगी ने राजनीति में ऐसी हैसियत जरूर बना ली है, जिसकी वजह से देश का एक वर्ग उनसे उम्मीद जताए बैठा है। यह उम्मीद पूरी होगी या नहीं, यह भविष्य के गर्भ में हैं।

-उमेश चतुर्वेदी

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

वित्तीय वर्ष 2023-24 भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ

हाल ही में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए विकास से सम्बंधित आंकड़े जारी किये गए है। इसके अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत की रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक एवं वैश्विक स्तर पर कार्यरत विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाते हुए कहा था कि यह 7 प्रतिशत के आसपास रहेगी। परंतु, वित्तीय 2023-24 के दौरान भारत की आर्थिक विकास दर इन अनुमानों से कहीं अधिक रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में भी भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है जो पिछले वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही थी। पूरे विश्व में प्रथम 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की आर्थिक विकास दर भारत की आर्थिक विकास दर के कहीं आसपास भी नहीं रही है। अमेरिका की आर्थिक विकास दर 2.3 प्रतिशत, चीन की आर्थिक विकास दर 5.2 प्रतिशत, जर्मनी की आर्थिक विकास दर तो ऋणात्मक 0.3 प्रतिशत रही है। जापान की आर्थिक विकास दर 1.92 प्रतिशत, ब्रिटेन की 0.1 प्रतिशत, फ्रान्स की 0.9 प्रतिशत, ब्राजील की 2.91 प्रतिशत, इटली की 0.9 प्रतिशत एवं कनाडा की 1 प्रतिशत रही है, वहीं भारत की आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत रही है। 8 प्रतिशत से अधिक की विकास दर को देखते हुए अब तो ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2027 तक जर्मनी एवं जापान की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था निश्चित ही बन जाएगा।

विनिर्माण, खनन, भवन निर्माण एवं सेवा क्षेत्र, यह चार क्षेत्र ऐसे हैं जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद को तेजी से आगे बढ़ाने में अपना विशेष योगदान देते हुए नजर आ रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के चलते ही सम्भव हो पा रहा है।

वास्तविक सकल मान अभिवृद्धि के आधार पर, वित्तीय वर्ष 2023-24 की चतुर्थ तिमाही में विनिर्माण के क्षेत्र में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में केवल 0.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी थी। इसी प्रकार, खनन के क्षेत्र में भी इस वर्ष की चतुर्थ तिमाही में वृद्धि दर 4.3 प्रतिशत की रही है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.9 प्रतिशत की रही थी। भवन निर्माण के क्षेत्र में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.4 प्रतिशत की रही थी। नागरिक प्रशासन, सुरक्षा एवं अन्य सेवाओं के क्षेत्र में वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत से बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई है। ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की चौथी तिमाही में 7.3 प्रतिशत से बढ़कर इस वर्ष चौथी तिमाही में 7.7 प्रतिशत पर पहुंच गई है। परंतु, कृषि, सेवा एवं वित्तीय क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में कुछ कम रही है।

वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के सकल घरेलू उत्पाद में लगातार कम हो रही वृद्धि दर के बावजूद भारत के सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि दर का होना यह दर्शाता है कि अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं में आ रही परेशानियों का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर नहीं के बराबर हो रहा है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर तेज गति से आर्थिक वृद्धि करने में सफल हो रही है।

परंतु, भारत में कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं जिन पर, आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज करने के उद्देश्य से विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जैसे, हाल ही के समय में भारत में निजी खपत नहीं बढ़ पा रही है और यह 4 प्रतिशत की दर पर ही टिकी हुई है। साथ ही, निजी क्षेत्र में पूंजी निवेश भी नहीं बढ़ पा रहा है। भारत में निजी खपत कुल सकल घरेलू उत्पाद का 60 प्रतिशत है। यदि सकल घरेलू उत्पाद के इतने बड़े हिस्से में वृद्धि नहीं होगी अथवा कम वृद्धि दर होगी तो देश में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी विपरीत रूप से प्रभावित होगी। भारत में निजी खपत इसलिए भी नहीं बढ़ पा रही है क्योंकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में घरेलू देयताएं सकल घरेलू उत्पाद के 5.7 प्रतिशत के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गईं हैं एवं बचत की दर भी सकल घरेलू उत्पाद के 5.2 प्रतिशत पर अपने निचले स्तर पर आ गई है, जो 10 वर्ष पूर्व 7 प्रतिशत से अधिक थी।

वहीं दूसरी ओर, दिसम्बर 2023 के प्रथम सप्ताह में भारत ने फ्रांस एवं ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में पूरे विश्व में पांचवा स्थान हासिल कर लिया था। भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं हांगकांग थे। परंतु, केवल दो माह से भी कम समय में भारत ने शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को पीछे छोड़ते हुए विश्व में चौथा स्थान प्राप्त कर लिया है। भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का हो गया है। अब ऐसा आभास होने लगा है कि भारत अर्थ के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुन: प्राप्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में नैशनल स्टॉक एक्स्चेंज पर लिस्टेड समस्त कम्पनियों के कुल बाजार पूंजीकरण का स्तर 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर जुलाई 2017 में पहुंचा था और लगभग 4 वर्ष पश्चात अर्थात मई 2021 में 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया था तथा केवल लगभग 2.5 वर्ष पश्चात अर्थात दिसम्बर 2023 में यह 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर गया था और अब यह 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर से भी आगे निकल गया है। इस प्रकार भारत शेयर बाजार पूंजीकरण के मामले में आज पूरे विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है।

प्रथम स्थान पर अमेरिकी शेयर बाजार है, जिसका पूंजीकरण 50.86 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। द्वितीय स्थान पर चीन का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 8.44 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। वर्ष 2023 में चीन के शेयर बाजार ने अपने निवेशकों को ऋणात्मक प्रतिफल दिए हैं। तीसरे स्थान पर जापान का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 6.36 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। चौथे स्थान पर भारत का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। पांचवे स्थान पर हांगकांग का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.29 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। जिस तेज गति से भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण आगे बढ़ रहा है, अब ऐसी उम्मीद की जा रही है कि कुछ समय पश्चात ही भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण जापान शेयर बाजार के पूंजीकरण को पीछे छोड़ते हुए पूरे विश्व में तीसरे स्थान पर आ जाएगा।

- प्रहलाद सबनानी

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि मेरी बुद्धि तो अत्यन्त नीची है और चाह बड़ी ऊँची है, चाह तो अमृत पाने की है, पर जगत में जुड़ती छाछ भी नहीं। सज्जन मेरी ढिठाई को क्षमा करेंगे और मेरे बाल वचनों को मन लगाकर (प्रेमपूर्वक) सुनेंगे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जौं बालक कह तोतरि बाता। सुनहिं मुदित मन पितु अरु माता॥
हँसिहहिं कूर कुटिल कुबिचारी। जे पर दूषन भूषनधारी॥

जैसे बालक जब तोतले वचन बोलता है, तो उसके माता-पिता उन्हें प्रसन्न मन से सुनते हैं, किन्तु क्रूर, कुटिल और बुरे विचार वाले लोग जो दूसरों के दोषों को ही भूषण रूप से धारण किए रहते हैं (अर्थात जिन्हें पराए दोष ही प्यारे लगते हैं), हँसेंगे॥

निज कबित्त केहि लाग न नीका। सरस होउ अथवा अति फीका॥
जे पर भनिति सुनत हरषाहीं। ते बर पुरुष बहुत जग नाहीं॥

रसीली हो या अत्यन्त फीकी, अपनी कविता किसे अच्छी नहीं लगती? किन्तु जो दूसरे की रचना को सुनकर हर्षित होते हैं, ऐसे उत्तम पुरुष जगत में बहुत नहीं हैं॥

जग बहु नर सर सरि सम भाई। जे निज बाढिबढ़हि जल पाई॥
सज्जन सकृत सिंधु सम कोई। देखि पूर बिधु बाढ़इ जोई॥

हे भाई! जगत में तालाबों और नदियों के समान मनुष्य ही अधिक हैं, जो जल पाकर अपनी ही बाढ़ से बढ़ते हैं (अर्थात अपनी ही उन्नति से प्रसन्न होते हैं)। समुद्र सा तो कोई एक बिरला ही सज्जन होता है, जो चन्द्रमा को पूर्ण देखकर (दूसरों का उत्कर्ष देखकर) उमड़ पड़ता है॥

(क्रमशः..)

राशिफल

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष : तृतीया | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक सफलता का पूर्ण योग बन रहा है। स्वास्थ्य थोड़ा अभी भी मध्यम है। प्रेम, संतान का साथ है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भाग्य साथ देगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। यात्रा का योग बन रहा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
बच के पार करें। कोई रिस्क न लें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम संतान ठीक-ठाक, व्यापार भी अच्छा चल रहा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आनंददायक जीवन गुजरेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम संतान में भी थोड़ा सुधार रहेगा। व्यापार भी अच्छा चलेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
थोड़ा सा परेशानी का सामना करना पड़ेगा। चाहे स्वस्थ हो, चाहे कार्य क्रियाकलाप हो, बाधा महसूस करेंगे लेकिन जीत जाएंगे।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भावुकता में आकर कोई निर्णय न लें। अभी महत्वपूर्ण निर्णय रोक कर रखें। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम संतान मध्यम, व्यापार अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
गृह कलह के संकेत हैं। घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी संभव है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार, प्रेम संतान का साथ, व्यापार भी अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
धन लाभ होगा। कुटुंबो में वृद्धि होगी, मुख को थोड़ा सा, मतलब जीभ को थोड़ा सा, वाणी को थोड़ा सा नियंत्रण में रखें।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जरूरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में उपलब्ध होंगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम संतान का साथ, व्यापार बहुत अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
मन चिंतित रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। खर्च की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य नरम गरम, प्रेम संतान अच्छा, व्यापार अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
आय के नए मार्ग प्रशस्त होंगे। पुराने से भी पैसे आएंगे और रुपया पैसा मिलता रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

अवैध कब्जों पर चला बाबा का बुल्डोजर

150 करोड़ की भूमि कराई अतिक्रमण मुक्त

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने तुस्याना गांव में अधिसूचित एरिया पर हो रहे अवैध निर्माण के खिलाफ शनिवार को बुलडोजर चलाया। प्राधिकरण ने लगभग 75000 वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करा लिया है, जिसकी अनुमानित कीमत 20 हजार रुपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से लगभग 150 करोड़ रुपये है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने अधिसूचित एरिया में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण की टीम अतिक्रमण हटाने की लगातार कार्रवाई कर रहा है। शनिवार सुबह वर्क सर्किल तीन की टीम ने तुझे आना गांव के खसरा संख्या-517, 964, 981, 985, 995 और 1007 पर चल रहे अगले निर्माण को ध्वस्त कर दिया। कॉलोनाइजर तुस्याना की लगभग 75000 मीटर जमीन पर अवैध कालोनी विकसित करने की कोशिश कर रहे थे। वर्क सर्किल तीन के प्रभारी नरोत्तम चौधरी के नेतृत्व में टीम ने अवैध निर्माण को ढहा कर जमीन खाली करा ली है।

परियोजना विभाग के महाप्रबंधक व ओएसडी हिमांशु वर्मा ने चेतावनी दी है कि प्राधिकरण की अधिसूचित एरिया में जमीन कब्जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने परियोजना विभाग के सभी वर्क सर्किल प्रभारियों को अपने एरिया में जमीन पर अतिक्रमण रोकने के लिए कड़ी नजर रखने और अतिक्रमण की सूचना मिलते ही कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण की एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग ने कहा है कि अवैध रूप से जमीन कब्जा कर काटी जा रही कॉलोनी में अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं। अगर किसी कॉलोनाइजर से अवैध कॉलोनी में प्लॉट खरीदा है तो रजिस्ट्री का प्रपत्र लेकर पुलिस से शिकायत करें। साथ ही इसकी एक कॉपी प्राधिकरण को भी उपलब्ध कराएं ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें।

उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक जीत पर सपाइयों ने खुशी का इजहार किया

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर नोएडा के कार्यकर्ताओं ने सेक्टर-46 में प्रदेश सचिव मनोज चौहान के आवास पर जमकर खुशी का इजहार किया। कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ा के साथ एक-दूसरे को लीड्डू, मिठाई खिलाकर व बांटकर बधाई दी व खुशी मनाई।

विधानसभा अध्यक्ष समाजवादी पार्टी नोएडा ठा0 बबलू चौहान ने कहा कि उत्तर प्रदेश कि महान जनता अब धार्मिक उन्माद, जुमलाबाज़ी व झूठ व फ़रैब के चक्कर में आने वाली नहीं है। अब केवल विकास, रोज़गार, मंहगाई से निजात आदि मुद्दों पर वोट करेगी, आने वाला समय समाजवादियों का है।

इस मौके पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव मनोज सिंह चौहान, प्रदेश सचिव चौधरी जयकरन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष ठा0 बबलू चौहान, वरिष्ठ नेता देवेन्द्र गुर्जर, रामवीर यादव, मुकेश प्रधान, अनुराग यादव, आदित्य चौहान, सागर चौहान, शिवम चौहान, संक्की चौहान, संजय चौहान, सन्नी अस्थाना, सम्स ख़ान, सुबरवाल, कुलदीप चौहान, ठा0 शोर्यवीर आदि तमाम नेता कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन बलराज संगठन के बैनर तले अनिश्चित कालीन धरना सेक्टर-142 नोएडा शहदरा गांव में 117वे दिन भी जारी रहा।

भारतीय स्टेट बैंक के मैनेजर योगेंद्र भाटी को किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय स्टेट बैंक दादरी के मैनेजर योगेंद्र भाटी को गुर्जर विद्या सभा द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने मिहिर भोज इंटर कॉलेज के लिए एसबीआई बैंक द्वारा आधुनिक कंप्यूटरों का दान दिया। जिससे कॉलेज के छात्रों को कंप्यूटर क्लास से आधुनिक उच्च शिक्षा मिल सके, इस मौके पर गुर्जर विद्यासभा के अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री वेदराम भाटी, सपा राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी, शिक्षा विद व वरिष्ठ पत्रकार लज्जाराम भाटी, दिल्ली सरकार के पूर्व एसडीएम रामचंद्र वर्मा, अशोक प्रधान, सुमित बैसोया, राजेश प्रधान, संजय भाटी, मनोज भाटी, एडवोकेट देवेंद्र टाइगर, योगेश्वर नगर, महकार सिंह, मनोज कुमार, बेगराज सिंह, आजाद प्रधान, जेपी नगर, जयवीर भाटी, मास्टर ब्रह्मपाल नागर, सुबेराम भाटी आदि मौजूद रहे।

उद्योग व शिक्षित युवा शक्ति के उत्थान के लिए किया परस्पर संयुक्त अनुबंध

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आईआईए ग्रेटर नोएडा चैप्टर टीम एवम शारदा विश्विद्यालय के बीच एक परस्पर संयुक्त अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए।

अनुबंध का उद्देश विवश्विधालय में शिक्षित हो रही युवा शक्ति को कैसे वास्तविक अनुभव मिले। कार्य क्षेत्र के परिवेश का यथार्थ परक अनुभव प्राप्त हो, तकनीक का कार्यान्वयन हो, आसानी से इंटर्नशिप कर सकें एवम विश्वविद्यालय व उद्योग को नित्य नई चुनौतियों को साधने हेतु प्रयोगशाला, कृत्रिम बौद्धिक तकनीक, नवीन कार्यशैली पद्धति व रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आर एंड डी) के मध्यम से हल करने में सहायक हो सकेगा।

आईआईए व शारदा विश्वविद्यालय, दोनो संस्थाएं एक दूसरे के पूरक के रूप में अगले कई वर्षों तक उत्थान के सहयोगात्मक कार्य करेंगी ढ्ढ इससे नई युवा शक्ति को रोजगार के अधिक आकर्षक अवसर मिल सकेंगे।

इस अवसर पर आईआईए टीम से राष्ट्रीय सचिव विशारद गौतम, चेयरमैन राकेश बंसल, सचिव सरबजीत सिंह, तकनीक समिति अध्यक्ष जेड रहमान, बी आर भाटी, जेएस राणा, अमित शर्मा, प्रमोद गुप्ता, एवं सोहराब जामी व शारदा विश्वविद्यालय की ओर से प्रो वाइस चांसलर परमानंद, प्रोफेसर मधुकर देशपांडे विक्रम एवं अन्य विभागों की कई फैकल्टी उपस्थित रहे।

पिट रहे युवक को बचाने पहुंचे व्यक्ति के पेट में घोंपा चाकू

नोएडा। कोतवाली फेज-दो क्षेत्र में लाठी-डंडों से पिट रहे एक युवक को बचाना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। आरोपितों ने पीड़ित पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चार अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव इलाहाबास के पवन ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि वह 27 मई की रात करीब 9 बजे वह अपने ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन से कर्मचारियों के लिए खाना लेने पुराना कोर्ट कांप्लैक्स फेज-दो पहुंचा। वहां कैंटीन पर चार लोग मिलकर एक व्यक्ति को बुरी तरह सरियों व लाठी-डंडों से मार रहे थे।

उसे छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन आरोपितों ने पीड़ित पर चाकू से कई वार कर दिए। चाकू लगते ही शिकायतकर्ता घायल होकर जमीन पर गिर गया। पुलिस ने घायलावस्था में चौधरी अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार हुआ।

हालत में सुधार होने पर पीड़ित ने चार अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा विधायक नंदकिशोर ने पुलिस कमिश्नर पर लगाया गंभीर आरोप

गाजियाबाद। लोनी से बीजेपी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने पुलिस कमिश्नर और प्रदेश के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए यूपी सरकार के गृह सचिव को एक पत्र लिखते हुए कहा है कि, पुलिस कमिश्नर मेरी हत्या की साजिश रच रहे हैं। मैं इस असुरक्षित माहौल में यहां रहूं या किसी दूसरे राज्य में चला जाऊं? विधायक का पुलिस कमिश्नर पर आरोप लगाने का मामला गर्मा गया है।

गाजियाबाद की लोनी विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने पुलिस कमिश्नर के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए अपर मुख्य सचिव गृह को लिखे पत्र में कई तरह के गम्भीर आरोप लगाए हैं। नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि, पुलिस कमिश्नर और प्रदेश के आधिकारियों द्वारा उनकी हत्या की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए किया गया ताकि मैं चुनावी प्रचार से दूर रहूं और बीजेपी की लोनी से हार हो जाए। इस असुरक्षित माहौल में मैं यहां रहूं या अन्य राज्य में शरण लूं? कृपया इसको लेकर मुझे अवगत कराने का कष्ट करें। नंदकिशोर गुर्जर का कहना है कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी को हराने के लिए पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनकी

सुरक्षा हटा दी थी। बता दें नंदकिशोर गुर्जर ने अपनी शिकायती चिट्ठी में किसी भी अफसर का नाम नहीं लिया है।

खबरों की मानें तो 7 जून को उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को लिखी एक चिट्ठी में विधायक ने कहा कि, उनकी सुरक्षा में तैनात जवानों को उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा हटा दिया गया था ताकि मैं चुनाव अभियान से दूर रहूं और लोनी जैसे संवेदनशील जगह पर भाजपा हार जाए। गुर्जर ने इस बात का दावा किया है कि वरिष्ठ अधिकारियों के इस फैसले से उनकी जान को खतरा था और उनकी हत्या हो सकती थी।

गाजियाबाद के लोनी से बीजेपी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने दावा किया है कि, 'मुरादनगर के विधायक के खिलाफ भी इसी तरह की साजिश रची गई थी।' उन्होंने पुलिस कमिश्नर पर विपक्ष के साथ मिलीभगत करने और हत्या, रंगदारी और चोरी के मामलों में आरोपियों को सुरक्षाकर्मी मुहैया कराने का आरोप लगाया। फिलहाल विधायक ने बिना किसी पुलिस अधिकारी का नाम लिए लिखा, महादेव के आशीर्वाद से मैं कई कट्टरपंथी देशों और संगठनों से मिली धमकियों के बावजूद सुरक्षित रहा। आगे उनका कहना है कि, 'आज तक पुलिस कमिश्नर ने मुझसे इस विषय पर बात नहीं की है, पुलिस कमिश्नर ने मुझे बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर और अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह के आदेश पर मेरी सुरक्षा हटा दी गई है।'

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा संख्याः AGCTRDT 202405 दिनांकः 05.06.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मण्डल विद्युत अभियन्ता (क0वि0.), उत्तर मध्य रेलवे, आगरा द्वारा खुली निविदा निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नामः	अनुमानित लागत (₹)ः
आगरा मंडल के भंडाई - इटावा खण्ड के शक्ति प्रदाय संस्थान के उपकरणों के अनुरक्षण के लिए चौबीस माह के लिए वार्षिक अनुरक्षण अनुबन्ध	66,10,806.20/-
	धरोहर राशि (₹)ः 1,32,200/-

कार्य पूर्ण करने की अवधि : 24 माह, 1. निविदा पत्र भारतीय रेलवे की वेब साइट (www.ireps.gov.in) पर देखा व भरा जा सकता हैं। 2. निविदा पत्र सिर्फ भारतीय रेलवे की वेब साइट (www.ireps.gov.in) पर दि. 27.06.2024 को 15:00 बजे तक भरा जा सकता है। 988/24 (ADM)

@CPRONCR North central railways @cproncrly @northcentralrailway www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांकः टी/गुड्स/अना. अनु./दादरी/2023 दिनांक :- 06.06.2024

गैर-हाजिरी सूचना

श्री मोहित कुमार मीना, पुत्र- श्री उदल सिंह मीना, प्वाइंट्समैन/दादरी, मण्डल-प्रयागराज, निवासी- ग्राम+पोस्ट-दौलतपुर खुर्द, जिला-बुलंदशहर, 30प्र0-202393, आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 18.06.2023 से लगातार बिना किसी सूचना के अपनी ड्यूटी से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित चल रहे है। इस सूचना के प्रकाशित होने की तिथि से दस (10) दिनों के अन्दर मण्डल परिचालन प्रबंधक (कोचिंग)/उ.म.रे./प्रयागराज, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, नवाब यूसुफ रोड, प्रयागराज के कार्यालय में अवश्य उपस्थित हों अन्यथा यह माना जायेगा कि आप आगे रेल सेवा नहीं करना चाहते हैं, जिसके कारण रेल प्रशासन को एकतरफा निर्णय लेने हेतु बाध्य होना पड़ेगा एवं आपके विरूद्ध बर्खास्तगी/निष्कासन/अनिवार्य सेवानिवृत्ति का दण्ड पारित किया जा सकता है।

नाम - श्री मोहित कुमार मीना
पुत्र - श्री उदय सिंह मीना
निवासी - ग्राम+पोस्ट- दौलतपुर खुर्द
जिला - बुलंदशहर, 30प्र0 - 202393

मण्डल परिचालन प्रबन्धक (कोचिंग)
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
997/24(AN)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @northcentralrailway @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेण्डर नोटिस नं0 01/2024 दिनांकः 06.06.2024

ई-टेण्डर नोटिस

उप.मु. सि.एवं दूर.सं.इंजी / जी.एस., उत्तर मध्य रेलवे, आगरा भारत द्वारा राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली निविदा" केवल ऑनलाइन माध्यम द्वारा (ई-टेन्डरिंग) आमंत्रित की जाती हैः

क्र.सं.:01 ई-निविदा सं.: आगरा-एसटी-जीएस-2024-01 कार्य की लागतः Rs. 99,73,962.97

कार्य का नामः (1) आगरा-धौलपुर खंड में बंद एल.सी. संख्या 477 के निकट अतिक्रमित स्थान के लिए सबवे का निर्माण और (2) आगरा- धौलपुर खंड में किमी 1341/11-13 पर एल.सी. संख्या 494 के स्थान पर सबवे का निर्माण के कार्य के संबंध में उपयोगिता स्थानांतरण और एस एंड टी कार्य।

निविदा बंद दिनांकः- 02.07.2024, निविदा की पूर्ण जानकारी एवं ऑनलाइन जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करे। निविदाकार अपनी निविदा उपरोक्त वर्णित दिनांक को 15:00 बजे तक भारतीय रेलवे की वेबपोर्टल www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन जमा कर सकते है। इस निविदा के अन्तर्गत मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी एवं प्राप्त मैनुअल निविदाओं पर विचार नही किया जायेगा। 992/24 (P)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @northcentralrailway @CPRONCR

नोएडा में महंगी होगी प्रोपर्टी, प्राधिकरण बढ़ाएगा रेट

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने प्रोपर्टी के सरकारी रेट बढ़ाने की तैयारी कर ली है। आगामी 16 जून 2024 को होने वाली नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड की बैठक में नोएडा शहर की आवासीय, औद्योगिक तथा कॉमर्शियल प्रोपर्टी के रेट बढ़ाए जाने का प्रस्ताव नोएडा प्राधिकरण लाने वाला है।

आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव के कारण तीन महीने तक टली नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक अब 16 जून को होनी प्रस्तावित है। इस बैठक में तकरीबन तीन दर्जन एजेंडे रखे जाएंगे। अनुमान है कि नोएडा प्राधिकरण बोर्ड की बैठक में चालू वित्तीय वर्ष-2024-25 के लिए 7 हजार करोड़ का बजट रहेगा। बता दें कि विगत वित्तीय वर्ष 2023-24 में नोएडा प्राधिकरण का 6920 करोड़ का बजट पास किया गया था। 2022-23 में नोएडा का बजट 4880.62 करोड़ का था।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों की एक बैठक में आंकलन किया गया विगत बजट में कितना पैसा खर्च किया गया। कितना राजस्व मिला। इसी का आंकलन करते हुए 2024-25 का बजट बनाया जा रहा है। इसका खाका तैयार किया जा चुका है। इस बार नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड में बैठक में पॉलिसी से संबंधित मैटर में बिल्डर बायर्स मुद्दे पर चर्चा होगी। वित्त से संबंधित किसान मुद्दों को रखा जाएगा। गोल्फ कोर्स, हेलीपोर्ट, डीएनजीआईआर जमीन अधिग्रहण, जल वाटर मीटर दर। मोबिलिटी रीजनल प्लान के अलावा भंगेल एलिवेट , चिल्ला एलिवेटड जैसे परियोजना तथा कोर्ट केस के बारे में विस्तार से समीक्षा होगी।

नोएडा शहर में आने वाले दिनों में घर बनाना, इंडस्ट्री लगाना और संस्थान खोलना मंहगा हो सकता है। नोएडा अथॉरिटी की 16 जून को बोर्ड बैठक प्रस्तावित है। बोर्ड बैठक को लेकर अथॉरिटी के सभी विभागों ने तैयारी शुरू कर दी है। बोर्ड बैठक के एजेंडे तैयार करने को लेकर शनिवार को भी अथॉरिटी ऑफिस खुला रहा है।

बोर्ड बैठक में नोएडा प्राधिकरण संपत्तियों की आवंटन दरें बढ़ाने की तैयारी में है। आवासीय संपत्तियों की आवंटन दरें 5 से 7 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा जा सकता है। पिछले साल 10 प्रतिशत तक आवासीय संपत्ति की दरें बढ़ाई गईं थीं। अब दरें बढ़ाने के लिए वित्त विभाग के साथ-साथ आवासीय, औद्योगिक, संस्थागत और व्यावसायिक विभाग के अधिकारियों से बीते एक वर्ष में आवंटित संपत्तियों से प्राप्त राजस्व का ब्योरा मांगा गया है। आधिकारिक सूत्रों की मानें तो 5-7 प्रतिशत आवासीय और 10 प्रतिशत तक औद्योगिक व संस्थागत प्रॉपर्टी की दरें बढ़ाने का प्रस्ताव बोर्ड में रखने की तैयारी है।

नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में नोएडा प्राधिकरण की तरफ से वर्ष 2024-2025 का बजट 7000 करोड़ रुपये का बजट रखने की तैयारी है। इसमें से करीब 1100 करोड़ रुपए सिविल के कामकाज पर खर्च किए जाने प्रस्तावित होंगे। अथॉरिटी पिछले दो महीने में बगैर बजट के करीब 200 करोड़ रुपए अलग-अलग काम पर खर्च कर चुकी है इसकी भी मंजूरी ली जाएगी। इसके अलावा लैंड बैंक के लिए 1500 करोड़ और दादरी-बुलंदशहर की जमीन पर बनने वाले न्यू नोएडा के लिए बजट का प्रावधान किया जाएगा। वहां जमीन अधिग्रहण किया जाएगा। वहीं नोएडा में विकसित की जा रही इंडस्ट्री के लिए आपसी सहमति के आधार पर किसानों को राशि दी जानी है। बजट में इसका प्रावधान भी रहेगा।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

रिफेक्स इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 24 में स्टैंडअलोन कर बाद लाभ 101 करोड़ होने की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। एस और कोयला हैंडलिंग, रेफ्रिजरेंट गैस, पावर ट्रेडिंग और ग्रीन मोबिलिटी सहित विभिन्न पोर्टफोलियो के साथ भारत में सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने के प्रति प्रतिबद्ध कंपनी, रिफेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एनएसई = रिफेक्स, बीएसई =532884) ने आज वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए रिफेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अनिल जैन ने कहा कि, हम वित्त वर्ष 24 में कंपनी द्वारा किए गए लचीले प्रदर्शन से हर्षित है. सस्टेनेबिलिटी के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता इन परिणामों में परिलक्षित होती है, जो हमारे सभी ऑपरेशंस में पर्यावरण अनुकूल पद्धतियों को आधुनिक बनाने के प्रति हमारे समर्पण को रेखांकित करती है. आय में कमी का मुख्य कारण कोयला के भाव में गत वर्ष की तुलना में लगभग 45 प्रतिशत की गिरावट है. इसके बावजूद हमने कोयला हैंडलिंग की मात्रा में वृद्धि की है, जिससे सफलतापूर्वक हमारी एबिटडा मार्जिन बरकरार रही है. आगे देखने पर हम हमारी एस हैंडलिंग क्षमता दुगुनी करने के लिए व्यूहात्मक रूप से तैयार हैं. भारत में वर्तमान एस हैंडलिंग मार्केट का मूल्य 60,000 से 70,000 करोड रुपए है और हमने आगामी वर्षों में चार से पांच प्रतिशत बाजार हिस्सा प्राप्त करने की योजना बनाई है.

मैडेन फोर्जिंग्स ने वित्त वर्ष 24 में कुल आय 237 करोड़ प्राप्त की

मुंबई, एजेंसी। पिछले 35 वर्ष से ब्राइट स्टील वार्स और वायर्स के विस्तृत रेंज की एक प्रमुख निर्माता, मैडेन फोर्जिंग लिमिटेड (बीएसई : 543874) ने वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए मैडेन फोर्जिंग्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री निशांत गर्ग ने कहा, हमारे लिए वित्त वर्ष 24 की शुरुआत अति सकारात्मक नोट के साथ हुई. बीएसई एसएमई पर हमारी लिस्टिंग ने पूंजी में उल्लेखनीय वृद्धि की जिससे हम कंसोलिडेटेड करने, विस्तार करने और कार्यशील पूंजी में वृद्धि करने में समर्थ हुए. हम व्यूहात्मक पहल, आईपीओ फंडिंग, नई ग्राहक वृद्धि और हमारे प्रोडक्ट की बढ़ती मांग के कारण हमारे वित्तीय प्रदर्शन में प्रभावशाली ग्रोथ के गवाह रहे. यद्यपि स्टील के कम भाव के चलते कुछ चुनौतियां पैदा हुई, फिर भी हमारे वॉल्यूम में मजबूत वृद्धि हमारे लचीलेपन और मार्केट की मजबूती को दर्शाता है. आगे देखने पर हम जोरदार ग्रोथ संभावना और बढ़ी परिचालन कार्य कुशलता के बारे में रोमांचित है. हमारा मजबूत ऑर्डर बुक , हमारे प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग, हमारी आय में मूल्यवर्धित प्रोडक्ट्स का बढ़ता हिस्सा, हमारी व्यूहात्मक पहल, कंसोलिडेशन और विस्तार प्रयास ने हमें भविष्य के लिए काफी अच्छी स्थिति में पहुंचा है.

1 रुपये के शेयर ने दिया 11,000 प्रतिशत रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में कई ऐसे स्टॉक हैं जिन्होंने बेहद कम समय में निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। ऐसा ही एक स्टॉक-रेफेक्स इंडस्ट्रीज का है। इस स्टॉक ने पिछले 10 वर्षों में 11,000 प्रतिशत रिटर्न दिया है। अगर किसी निवेशक ने 10 साल पहले स्टॉक में 10,000 रुपये का निवेश किया था तो उसके निवेश की रकम बढ़कर 11 लाख हो गई होगी। इस कंपनी के शेयर की कीमत 152.40 रुपये थी। बता दें कि 10 साल पहले 1.37 रुपये थी। अगस्त 2023 में शेयर की कीमत 184.79 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। 9 जून 2023 को शेयर 99.32 रुपये का था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। पिछले छह महीनों में शेयरों में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई और पिछले एक साल की अवधि में लगभग 44 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रेफेक्स इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,600 करोड़ रुपये से अधिक है।

भारत ने मई में खरीदा 722 करोड़ रुपए का सोना

बना दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा खरीदार

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ सालों में भारत के सोने के भंडार में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसके लिए हालिया समय में सोने की बढ़ी खरीद मुख्य वजह है। सोने की खरीदारी का यह ट्रैक रिकॉर्ड अभी भी बरकरार है और मई महीने के दौरान भी भारी मात्रा में सोने की खरीद की गई है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, मई महीने के दौरान भारत दुनिया में सोने का तीसरा सबसे बड़ा खरीदार बनकर उभरा। बीते महीने भारत ने 722 करोड़ रुपए के सोने की खरीदारी की। मात्रा के हिसाब से यह खरीदारी 45.9 टन की हो जाती है। इससे पता चलता है कि भारत अभी भी अपने सोने के भंडार को बढ़ाने के लिए आक्रामक रुख अपनाए हुए है। बीते महीने सिर्फ दो ही देश सोना खरीदने के मामले में भारत से आगे रहे। पहले स्थान पर स्विट्जरलैंड रहा, जिसने 312.4 टन सोने की खरीदारी की। वैल्यू में यह खरीदारी 2,461 करोड़ रुपए की हो जाती है। वहीं पड़ोसी देश चीन 2,109 करोड़ रुपए में 86.8 टन सोना खरीदकर दूसरे स्थान पर रहा।

5 साल में इतना बढ़ गया सोने का भंडार

पिछले कुछ सालों के दौरान भारत के सोने के भंडार का साइज काफी बढ़ा है। मार्च 2019 में भारत के पास 618.2 टन सोने का भंडार था। यह भंडार बढ़कर मार्च 2014 तक 822.1 टन पर पहुंच गया था यानी बीते 5 साल में भारत के सोने के भंडार में शानदार 33 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही में बताया था कि देश के विदेशी मुद्रा भंडार को स्थिरता प्रदान करने और पोर्टफोलियो को डायवर्स बनाने के लिए सोने की ज्यादा खरीदारी की जा रही है। उन्होंने कहा था कि डॉलर के वोलेटाइल होने से रिजर्व बैंक ने सोने के भंडार को बढ़ाने की जरूरत महसूस की।

चांदी में 2,600 रुपये का उछाल, सोना 150 रुपये बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को चांदी की कीमतों में 2,600 रुपये का उछाल देखा गया। कीमतों में उछाल के बाद चांदी 95,900 रुपये प्रति किग्रा पर पहुंच गयी जबकि सोने में भी 150 रुपये प्रति 10 ग्राम की मजबूती देखने को मिली। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के मुताबिक, लगातार दूसरे दिन मजबूत होते हुए चांदी की कीमत आज 2,600 रुपये बढ़कर 95,900 रुपये प्रति किग्रा हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 93,300 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। इस बीच, सोने की कीमत 150 रुपये की तेजी के साथ 73,650 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछले सत्र में सोना 73,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, विदेशी बाजार में तेजी के संकेत के बीच दिल्ली बाजार में हाजिर सोना (24 कैरेट) 73,650 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था जो 150 रुपये की मजबूती दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 2,366 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से छह डॉलर अधिक है। गांधी ने कहा, शुक्रवार को सोने में थोड़ा सकारात्मक कारोबार हुआ, जिसे नरम अमेरिकी डॉलर और कमजोर अमेरिकी वृहद-आर्थिक आंकड़े से समर्थन मिला। केंद्रीय बैंकों के उधारी लागत में कटौती करने की उम्मीदों के बीच यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने इस सप्ताह ब्याज दरों में कटौती करने की पुष्टि की है। इससे सर्राफा की कीमतों को आगे की दिशा मिलेगी। चांदी भी बढ़कर 31.05 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

म्यूचुअल फंड प्रणाली में कोई तकनीकी गड़बड़ी नहीं थी: बीएसई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के प्रमुख शेयर बाजार बीएसई ने शुक्रवार को कहा कि बैंकों से भुगतान प्राप्त करने में देरी के कारण चार जून को म्यूचुअल फंड खरीदने वाले निवेशकों को एनएवी आवंटित करने में देरी हुई थी और उसकी तरफ से कोई भी तकनीकी गड़बड़ी नहीं हुई थी। कई निवेशकों ने सोशल मीडिया पर शिकायत की थी कि उन्हें चार जून को अपनी 'पोजिशन को 'स्क्वेयर ऑफ करने में परेशानी का सामना करना पड़ा था। कई निवेशकों ने कट-ऑफ समय से पहले अपने म्यूचुअल फंड खरीदे थे लेकिन उन्हें जो 'शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य (एनएवी) सौंपा गया, वह चार जून के बजाय पांच जून के लिए फंड का मूल्य निर्धारित करता है। इसकी वजह से ऐसे निवेशकों को बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ा। इस पर बीएसई ने एक बयान में कहा, ''यह स्पष्ट किया जाता है कि चार जून को बीएसई क्लियरिंग हाउस (आईसीसीएल) में कोई तकनीकी गड़बड़ी नहीं हुई थी।

खुलने से पहले ही इस आईपीओ ने जुटा लिए 333 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। अगले सप्ताह एक और कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए ओपन हो रहा है। यह आईपीओ ट्रैवल बुकिंग मंच इक्सिगो का परिचालन करने वाली ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी लिमिटेड का है। कंपनी का आईपीओ 10 जून को निवेश के लिए ओपन होगा। निवेशक इस इश्यू में 12 जून तक पैसे लगा सकते हैं। प्राइस बैंड 88 प्रति इक्विटी शेयर से 93 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 161 इक्विटी शेयरों के लिये और उसके बाद 161 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती हैं।

क्या है डिटेल

एंकर निवेशक बोली की तारीख 7 जून शुक्रवार था। बता दें कि एंकर निवेशकों से यह 333 करोड़ जुटा चुका है। ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी लिमिटेड की योजना आईपीओ के जरिए

740 करोड़ रुपये तक जुटाने की है। गुरुग्राम स्थित कंपनी के आईपीओ में 120 करोड़ रुपये के ताजा शेयर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 620 करोड़ रुपये के मूल्य के 6.66 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। इस प्रकार सार्वजनिक निर्गम का आकार 740 करोड़ रुपये बैठता है।

बयान के अनुसार, इस राशि का इस्तेमाल कंपनी कार्यशील पूंजी की आवश्यकताएं पूरी करने, प्रौद्योगिकी के साथ-साथ डेटा विज्ञान में निवेश करने, अधिग्रहण के जरिए वृद्धि करने और सामान्य कामकाजी मकसदों के लिए करेगी। इक्सिगो आईपीओ के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, डैम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड (पूर्व में आईडीएफसी सिक्योरिटीज लिमिटेड) और जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड हैं, जिसमें लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड रजिस्ट्रार के रूप में कार्यरत है।

क्या चल रहा जीएमपी

इक्सिगो आईपीओ जीएमपी आज या ग्रे मार्केट प्रीमियम 28 रुपये है। इन्वेस्टरगेन.कॉम के अनुसार, यह बताता है कि इक्सिगो का शेयर प्राइस ग्रे मार्केट में 28 के प्रीमियम पर कारोबार कर रहा था। आईपीओ मूल्य बैंड के अपर बैंड और ग्रे मार्केट में मौजूदा प्रीमियम को ध्यान में रखते हुए इक्सिगो आईपीओ की अपेक्षित लिस्टिंग कीमत 121 पर हो सकती है।

पैनाबाइट टेक्नोलॉजीज को मिला टाटा से बड़ा ऑर्डर , शेयर खरीदने की लूट, 25 पर आया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। पैनाबाइट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयर बीते शुक्रवार को कारोबार के दौरान फोकस में थे। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक एंड इलेक्ट्रिकल गुड्स और आईटी हार्डवेयर सेवाओं से जुड़ी कंपनी के शेयरों में कल 6 प्रतिशत की तेजी थी। यह शेयर शुक्रवार को 25.54 रुपये बंद हुआ है। कंपनी के शेयरों में तेजी पीछे एक बड़ा ऑर्डर है। दरअसल, इसको टाटा ग्रुप से ऑर्डर मिला है। कंपनी का मार्केट कैप 11.21 करोड़ रुपये है।

क्या है ऑर्डर डिटेल

पैनाबाइट टेक्नोलॉजीज को टेस्टिंग और कमीशनिंग करने के लिए टाटा मेमोरियल सेंटर - एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एसीटीआरईसी) से ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर की कीमत 3.63 लाख रुपये है। कंपनी की एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, पैनाबाइट टेक्नोलॉजीज को सीसीटीवी की सप्लाई, स्थापना, टेस्टिंग और कमीशनिंग करने के लिए टाटा मेमोरियल सेंटर - एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर से 3.63 लाख रुपये का ऑर्डर मिला है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति

पैनाबाइट टेक्नोलॉजी का मार्च तिमाही में साल-दर-साल आधार पर परिचालन से रेवेन्यू 57 प्रतिशत कम हो गया। एफवाय22-23 में 8.87 करोड़ रुपये से एफवाय23-24 में 3.75 करोड़ रुपये हो गया। दूसरी ओर, शुद्ध घाटा रुपये से बढ़ गया। एफवाय22-23 में 0.45 करोड़ से एफवाय23-24 में 0.46 करोड़ रुपये रहा। मार्च 2024 तक, इसका शेयरधारिता पैटर्न प्रमोटरों के लिए 17.03 प्रतिशत और जनता के लिए 82.97 प्रतिशत था। 1981 में निगमित, पैनाबाइट टेक्नोलॉजीज मल्टी प्रोडक्ट डिस्ट्रिब्यूटर्स जैसे उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिकल सामान और आईटी हार्डवेयर और इसके बाह्य उपकरणों और स्वच्छता प्रोडक्ट के कारोबार में सक्रिय है।

वैश्विक विशेषज्ञों ने स्किलिंग एवं इन्नोवेशन को मुख्य क्षेत्र के तौर पर रेखांकित किया

बेंगलूरू, एजेंसी। इंडिया ग्लोबल इन्नोवेशन कनेक्ट (आईजीआईसी), 2024 का तीसरा संस्करण आज बेंगलूरू में संपन्न हुआ जिसमें वैश्विक और देश के उद्योगपतियों ने सरकार, उद्योग और स्टार्टअप्स के लिए आने वाले वर्षों में तेज परिवर्तन लाने को लेकर टेक्नोलॉजी, कौशल विकास एवं नवप्रवर्तन को प्रमुख क्षेत्रों के रूप में रेखांकित किया। केवल आमंत्रण पर आगमन हेतु आयोजित इस कार्यक्रम में 400 से अधिक लोग शामिल हुए जिसमें नेताओं ने उद्योग से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा की।

आईजीआईसी 2024 के दूसरे दिन भारतीय एवं वैश्विक स्टार्टअप्स के संस्थापकों, वीसी और निवेशकों, कॉरपोरेट और सरकार के प्रमुख लोगों, टेक्नोलॉजी एवं लोक नीति के विशेषज्ञों ने एक साझा मंच के तहत इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इन नेताओं और उद्योग के विशेषज्ञों ने यहां आए लोगों के साथ कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा, परिचर्चा की जिसमें- इस क्षितिज पर नई टेक्नोलॉजी के रुख, बायोटेक एवं जेनोमिक्सः बाधाओं पर नजर एवं अवसरों का दोहन, बदलते डीप टेक इकोसिस्टम के अवसरों एवं चुनौतियों का प्रबंधन, इंटेलिजेंट टेक्नोलॉजीज का इंटेलिजेंट उपयोग, स्केलिंग अप कोड को तोड़नाः जिन्होंने यह किया उन्हें सुनना, 2023 से सीखः वीसी/स्टार्टअप इकोसिस्टम के उद्भव को आकार देते रुख और इनकी जटिलताएं, एआई उद्भव के चैंपियनोंका निर्माण आदि विषय शामिल रहे। जी20 शेरपा, भारत अमिताभ कांत ने कहा, उद्योग की मांग और उपलब्ध प्रतिभाओं के बीच अंतर को पाटने और भारत में कुशल इंजीनियरों विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और साइबर सिक्युरिटी जैसे क्षेत्रों में अधिक मांग है, इंजीनियरों की संख्या बढ़ाने की तत्काल जरूरत है। इन इंजीनियरिंग कॉलेजों और हमारे आईआईटी में से कई संस्थानों के पाठ्यक्रमों को नए ढांचे में ढालने की जरूरत है जिससे वे आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दे को हल करने के लिए आज की मांग पूरी कर सकें। इस सरकार का अगला पांच साल व्यापक स्तर पर नए रोजगार का सृजन करने के लिए कौशल विकास एवं अप्रेंटिसशिप पर केंद्रित होगा।

मादजा एंड मादजा स्ट्रैटेजिक एडवाइजरी के चेयरमैन क्लॉज मादजा ने कहा, इंडिया ग्लोबल इन्नोवेशन कनेक्ट (आईजीआईसी) 2024 के तीसरे संस्करण का सफल समापन, डिजिटल एवं स्टार्टअप पारितंत्र के भीतर उभरते देशों के बीच वैश्विक गठबंधन को प्रोत्साहित करने में मील का एक बड़ा पत्थर है। पिछले दो दिनों में हमने विभिन्न देशों से विशेषज्ञों को टेक्नोलॉजी के रुख, बायोटेक, डीप टेक, इन्नोवेशन, स्टार्टअप इकोसिस्टम और एआई सहित अन्य विषयों पर विचारों और अंतर्दृष्टि का आदान प्रदान करते देखा है। जबरदस्त प्रतिक्रिया को देखते हुए हमें भरोसा है कि हम आईजीआईसी 2025 के लिए इस गति को बनाए रखेंगे। ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी के सैड बिजनेस स्कूल के डीन एवं मैनेजमेंट के प्रोफेसर, एआई पर विशेषज्ञों के कार्यबल ओईसीडी के चेयर सौमित्र दत्ता ने कहा, भारत में हम वर्तमान में एक भाग्यशाली क्षण में हैं जहां यह देश विभिन्न वर्षों से अनुकूल आर्थिक नीतियों का लाभ उठा रहा है। विद्यार्थियों और युवाओं के बीच हम टेक्नोलॉजी, नवप्रवर्तन और उद्यमशीलता को लेकर एक नया उत्साह देख रहे हैं और उद्यमशीलता को लेकर लोगों में ऊर्जा एवं भूख है। आज भारत का ब्रांड बदला हुआ है और भारत की छवि में उल्लेखनीय बदलाव आया है और अब इसे अपने सॉफ्टवेयर प्रोग्रामरों और प्रतिभावान लोगों के लिए पहचाना जा रहा है। फंडामेंटल जर्मनी के जनरल पार्टनर शुभांकर भट्टाचार्य ने कहा, जब बात जगह लेने या कारोबारी विचार की आती है तो एक ऐसे कारोबार पर विचार करना महत्वपूर्ण हो जाता है जिसमें आगे विस्तार की गुंजाइश हो और साथ ही वह विचार कुछ हटकर होना जरूरी है। एक कारोबार के एक अच्छी पब्लिक कंपनी बनने की संभावना का अच्छा अनुमान लगाने वाले व्यक्ति का यह अनुमान तभी सही साबित होगा जब संस्थापक बहीखाता के साथ बहुत विस्तृत जानकारी रखने की इच्छा रखता हो। हमारे अनुभव से उस कारोबार में निवेश से पहले ही संभावित संस्थापकों के साथ खुलकर बातचीत करना कारोबार की सफलता और स्वास्थ्य के लिए बेहतर है।

दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी ने एपल, गूगल व मेटा को भी पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सितंबर 2023 में भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने एक शख्स से मुलाकात की थी। इस मुलाकात की चर्चा मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक पर हुई। दरअसल पीएम मोदी जिस शख्स से मिले थे उसका नाम है जेनसेन हुआंग। हो सकता है कि आपने पहले ये नाम न सुना हो। लेकिन शायद आपने एनवीडिया का नाम तो सुना होगा। समझाने के लिए आसान बात कहूं तो एनवीडिया आपके कंप्यूटर के लिए ग्राफिक कार्ड बनाने वाली कंपनी है और इसी कंपनी के सीईओ हैं जेनसेन हुआंग। आज हुआंग ने कहा कि वजह ये है कि एनवीडिया ने एपल को पीछे छोड़ दिया है और दुनिया की दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी बन गई है। एनवीडिया का मार्केट कैप करीब 251 लाख करोड़ हो गया है। वहीं एपल का मार्केट कैप करीब 250 लाख करोड़ पर है। यहां आपको ये भी बता दें कि दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है माइक्रोसॉफ्ट जिसका मार्केट कैप 262 लाख करोड़ है।

लेकिन ऐसा क्या है जो एनवीडिया को आगे बढ़ा रहा है। ऐसा क्या है जिसकी वजह से एनवीडिया का मार्केट कैप इतना हो गया है। इसको समझने के लिए कंप्यूटर

को समझना होगा। दरअसल कंप्यूटर में एक प्रोसेसर होता है यानी सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट। इसको कंप्यूटर का दिमाग माना जाता है। इसमें एक प्रोसेसर की जरूरत होती है। प्रोसेसर को इंटेल और एएमडी जैसी कंपनियां तैयार करती हैं... कंप्यूटर में प्रोसेसर की तरह ही एक और बेहद खास चीज का इस्तेमाल होता है जिसे जीपीयू कहा जाता है यानि ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट। यूं समझिए कि आपको अपनी स्क्रीन पर जो तस्वीरें, ग्राफिक्स और वीडियो आदि दिखाई देते हैं, उसमें इस जीपीयू का बड़ा हाथ होता है... लेकिन ये तो जीपीयू का केवल एक इस्तेमाल था। जीपीयू की असली ताकत पता चला आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस के दौर में।

जब चैट जीपीटी और गूगल जैमिनी जैसे टूल्स को बनाया जाता है, तब बहुत अधिक संख्या में जीपीयू का इस्तेमाल किया जाता है और जैसे-जैसे दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मांग बढ़ रही है, वैसे-वैसे जीपीयू की भी मांग भी बढ़ रही है। एनवीडिया इसी जीपीयू को बनाने वाली कंपनी है। शायद अब आप समझ रहे होंगे कि ये कंपनी कैसे दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। खबर पर आगे बढ़ें उससे पहले आपको ये बता दें कि पिछले छह महीने में एनवीडिया के शेयर में करीब 169 फीसदी की बढोतरी हुई है। पिछले पांच सालों में इस शेयर ने 3 हजार 265 फीसदी की तेजी हासिल की है।

एनवीडिया के सह-संस्थापक, अध्यक्ष और सीईओ जेन्सेन हुआंग अब 106 बिलियन अमरीकी डालर (8.84 लाख करोड़ रुपये) की संपत्ति के साथ दुनिया के 13वें सबसे अमीर व्यक्ति बन हैं, एनवीडिया के शेयरों में पिछले एक साल में 700 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, केवल माइकल डेल (107 बिलियन अमरीकी डालर या 8.92 लाख करोड़ रुपये), मुकेश अंबानी (109 बिलियन अमरीकी डालर या 9.09 लाख करोड़ रुपये), और वॉरेन बफेट (136 बिलियन अमरीकी डालर या 11.34 लाख करोड़ रुपये) की संपत्ति के साथ दुनिया के दस सबसे अमीरों की सूची में शामिल होने के मामले में उनसे आगे हैं।

ये कंपनी कितनी बड़ी है इसका अंदाजा आप इस बात ये भी लगा सकते हैं कि फेसबुक, वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम के मालिकाना हक वाली मेटा कंपनी का मार्केट कैप 1.25 ट्रिलियन डॉलर है और एनवीडिया का 3.01 ट्रिलियन डॉलर। गूगल जैसी कंपनी भी इससे काफी पीछे 2.18 ट्रिलियन डॉलर पर है। खास बात ये है कि भारत में इस कंपनी यानी एनवीडिया के चार डवलपमेंट सेंटर हैं। भारत और भारत की कंपनियां अब एआई की ओर जाना चाहती हैं। पिछले साल ऐसी खबरें आई थीं कि भारत की कुछ बड़ी कंपनियों की इस कंपनी के साथ बातचीत चल रही है ताकि दोनों मिलकर लोकलाइजेशन पर काम करें। भारत के लोग अपनी लोकल भाषाओं में एआई का इस्तेमाल कर सकें, इसी के लिए ये कवायद की जा रही है। चलिए अब आपको जेनसेन हुआंग के बारे में बताते हैं। ताइवान में जन्मे हुआंग ने 5 अप्रैल 1993 को अपने दो साथियों के साथ मिलकर एनवीडिया को बनाया था। अब हुआंग की नेटवर्थ करीब 107.4 बिलियन डॉलर है। उनकी इस कंपनी का मुख्यालय अमेरिका के कैलिफोर्निया में है। भारत में भी ये कंपनी पिछले 20 सालों से काम कर रही है और देश में इसके करीब 3000 कर्मचारी हैं। जीपीयू से, हृ तक का ये सफर कंपनी के लिए आसान तो नहीं रहा लेकिन कंपनी ने खुद को इस मामले में स्थापित किया है और नंबर वन भी बनाया है। दुनियाभर में जितने जीपीयू इस्तेमाल होते हैं उनमें से करीब 88 फीसदी एनवीडिया के ही होते हैं।

फोकस लाइटिंग एंड फिक्चर्स ने वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ में 99 प्रतिशत वृद्धि की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। एलइडी लाइट्स एवं पिक्चर्स के निर्माण एवं इनोवेटिव लाइटिंग सॉल्यूशंस में प्रवृत्त फोकस लाइटिंग एंड फिक्चर्स लिमिटेड (एनएसई =फोकस) ने वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. कुल आय 35.35 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 230.04 करोड़ हुई . एबिटडा 51.19 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 52.68 करोड़ हुआ .एबिटडा मार्जिन 240 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 22.90 प्रतिशत हुई ,शुद्ध लाभ 66.12 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 39.21 करोड़ हुआ . शुद्ध लाभ मार्जिन 348 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 16.83 प्रतिशत हुई कुल आय 46.69 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 60.30 करोड़हुई एबिटडा 71.68 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 13.87 करोड़ हुआ .एबिटडा मार्जिन 335 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 23.00 प्रतिशत हुई शुद्ध लाभ 98.57 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 10.76 करोड़ हुआ .शुद्ध लाभ मार्जिन 472 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 17.27 प्रतिशत हुई प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए फोकस लाइटिंग एंड फिक्चर्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर , श्री अमित शेठ ने कहा, हम सहर्ष वितवर्ष 24 के हमारे शानदार वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा करते हैं. हमने हमारी मार्जिन में सुधार के साथ शुद्ध लाभ में जोरदार वृद्धि देखी है और एबिटडा में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जो हमारी व्यूहात्मक पहल की प्रभावकारिता को रेखांकित करती है

हमारे इनोवेटिव एलइडी लाइटिंग सॉल्यूशंस की बढ़ती हुई बाजार मांग इन सफलताओं के पीछे की मुख्य ड्राइवर रही है. इसके अतिरिक्त हमारा ऑपरेटिंग कैश फ्लो सकारात्मक हुआ है, जो हमारी ऑपरेशनल कार्य कुशलता में उल्लेखनीय सुधार दर्शाता है. हमारे द्वारा आगे देखने पर मैं क्षितिज में उपस्थित सुअवसरों के बारे में रोमांचित हूं. वैश्विक विस्तार की योजना और इनोवेशन पर निरंतर फोकस से मुझे विश्वास है कि फोकस लाइटिंग एंड फिक्चर्स निरंतर वैल्यू के लिए प्रयास करेगी और वैल्यू का निर्माण करेगी

रोहित शर्मा के टी20 में सबसे तेज 4 हजार रन पूरे, छक्कों की संख्या 600 पार

न्यूयार्क (एजेंसी)। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ खेले गए पहले ही मुकाबले में रोहित शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज चार रन पूरे करने की नायाब उपलब्धि अपने नाम कर ली। उन्होंने 2860 गेंदों पर यह 4 हजार रन बनाए। ऐसा कर उन्होंने विराट कोहली को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2900 गेंदों पर 4 हजार रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बाबर आजम है जिन्होंने 3079 गेंदों पर यह उपलब्धि हासिल की थी। यही नहीं, रोहित शर्मा और विराट कोहली अब ऐसे दो ही बल्लेबाज हैं जिनके वनडे, टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल में 4 हजार से ज्यादा रन हैं।

देखें आंकड़े-

विराट कोहली-टेस्ट में 8848, वनडे में 13848 और टी20 में 4038

रोहित शर्मा - टेस्ट में 4137, वनडे में 10709 और टी20 में 4026

टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

4038 रन - विराट कोहली, भारत
4026 रन - रोहित शर्मा, भारत
4023 रन - बाबर आजम, पाकिस्तान
3591 रन - पॉल स्टर्लिंग, आयरलैंड
3531 रन - मार्टिन गुप्टिल, न्यूजीलैंड

रोहित शर्मा को यह नायाब उपलब्धि हासिल करने पर बीसीसीआई की ओर से भी बधाई दी गई।

टी20 आई में सबसे ज्यादा फिफ्टी

37 - विराट कोहली, भारत
36 - बाबर आजम, पाकिस्तान
30 - रोहित शर्मा, भारत
28 - मोहम्मद रिजवान, पाकिस्तान
26 - डेविड वॉर्नर, ऑस्ट्रेलिया

रोहित भले ही इस रिकॉर्ड में तीसरे स्थान पर हैं लेकिन वह टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में वह ग्लेन मैक्सवेल के साथ संयुक्त तौर पर पहले नंबर पर हैं। उन्होंने अब तक 5 शतक लगाए हैं। चार शतक के साथ सूर्यकुमार यादव दूसरे नंबर पर हैं। तीसरे नंबर पर 3-3 शतक के साथ बाबर आजम और मोहम्मद वसीम हैं।

रोहित के 600 छक्के पूरे

रोहित शर्मा ने आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले में तीन छक्के लगाए थे। इसके साथ ही उन्होंने अपने 600वें अंतर्राष्ट्रीय छक्के भी पूरे कर लिए। रोहित ने 499वीं पारी में यह उपलब्धि अपने नाम की। इस लिस्ट में 551 पारियों में 553 छक्के लगाकर क्रिस गेल तो 508 पारियों में 476 छक्के लगाकर शाहिद अफरीदी को हुए हैं। यही नहीं, रोहित ने टी20 विश्व कप इतिहास में 1000 रन भी पूरे कर लिए।

रोहित शर्मा नाराज तो जसप्रीत बुमराह गदगद, टीम इंडिया में ही मार करवा देगी ये 'ड्रॉप इन' पिच?

न्यूयार्क (एजेंसी)। एक ओर जहां आयरलैंड के खिलाफ चोटिल होने के बाद रोहित शर्मा टी20 विश्व कप में इस्तेमाल हो रही ड्रॉप इन पिच से नाराज हैं तो दूसरी ओर, प्लेयर ऑफ द मैच रहे जसप्रीत बुमराह खुश हैं। उन्होंने कहा कि इससे कोई दिक्कत नहीं हो रही है।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा नासाउ काउंटी मैदान की असमान उछाल वाली 'ड्रॉप इन' पिच से ज्यादा खुश नजर नहीं आए लेकिन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को खुशी है कि पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप के अहम मुकाबले से पहले पिच तेज गेंदबाजों की मदद कर रही है। आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच में रोहित ने 37 गेंद में 52 रन बनाए लेकिन गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज जोश लिटिल की शॉर्टपिच गेंद पर पुल शॉट खेलने के प्रयास में वह चूके और गेंद उनकी दाहिनी बाजू के ऊपरी हिस्से में जा लगी। उन्हें मैदान छोड़कर भी जाना पड़ा।

चोट के बारे में उन्होंने कहा, 'यह मामूली सा घाव है। मैंने टॉस के समय भी कहा था कि पता नहीं ये पिच कैसी होगी।' उन्होंने कहा, 'नया मैदान, नया वेन्यू और हम देखना चाहते थे कि यहां खेलकर कैसा लगता है। मुझे लगता है कि पिच अभी जमी नहीं है और गेंदबाजों की काफी मदद कर रही थी। ऐसे में अपने बेसिक्स पर डटे रहना और टेस्ट मैच गेंदबाजी को याद रखना जरूरी था।' वहीं तीन ओवर में छह रन देकर दो विकेट लेने वाले बुमराह ने कहा, 'इससे गेंदबाजों को मदद मिल रही है तो मुझे कोई शिकायत नहीं है। इस प्रारूप में हालात के अनुरूप ढलना पड़ता है।'

उन्होंने कहा, 'अपनी रणनीति पर डटे रहने से मुझे मदद मिली। इन हालात में तैयारी पुख्ता रखनी जरूरी होती है और मैं प्रदर्शन से खुश हूं।' भारत के लिए अर्शदीप सिंह ने चार ओवर में 35 रन देकर दो विकेट लिए जबकि हार्दिक पंड्या ने 27 रन देकर तीन विकेट चटकाए। जसप्रीत बुमराह ने तीन ओवर में छह रन देकर दो विकेट लिए और मोहम्मद सिराज ने तीन ओवर में 13 रन देकर एक विकेट लिया।

रोहित ने कहा, 'अर्शदीप दाहिने हाथ के बल्लेबाजों के सामने गेंद को स्विंग कराके लय बनाने में माहिर है। मुझे नहीं लगता कि ऐसे मैदान पर चार स्पिनरों को उतारा जा सकता है। अगर हालात तेज गेंदबाजों के मददगार हैं तो ये ही खेलेंगे। स्पिनर टूर्नामेंट में बाद में अपना काम करेंगे। हम टीम की जरूरतों के हिसाब से बदलाव करेंगे।' इस मैच की तैयारी के बारे में रोहित ने कहा, 'मैं नहीं जानता कि पिच से क्या अपेक्षा करें लेकिन हम यही सोचकर तैयारी करेंगे कि पिच ऐसी ही रहने वाली है। उस मैच में पूरी टीम को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उम्मीद है कि आज की तरह उस मैच में भी प्रदर्शन अच्छा रहेगा।

टीम इंडिया ने आयरलैंड को हराकर किया टी20 वर्ल्ड कप का आगाज

भारत ने आयरलैंड को हराते हुए अपने टी-20 वर्ल्ड कप अभियान का शानदार आगाज किया है। पहले तेज गेंदबाजों की चौकड़ी ने उछाल लेती पिच पर आयरलैंड को बुधवार रात सिर्फ 96 रन पर समेट दिया। बाद में कप्तान रोहित शर्मा की रिकॉर्ड फिफ्टी के बूते इस मामूली लक्ष्य को दो विकेट खोकर 46 गेंद पहले हासिल कर लिया। कप्तान रोहित शर्मा 52 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। तीसरे नंबर पर उतरे ऋषभ पंत ने 36 रन की नाबाद पारी खेली।

स्टॉयनिस का हरफनमौला प्रदर्शन, ऑस्ट्रेलिया ने ओमान को 39 रन से हराया

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। डेविड वॉर्नर (56), मार्कस स्टॉयनिस नाबाद (67) और उसके बाद 19 रन पर तीन विकेट के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 विश्वकप के दसवें मुकाबले में ओमान को 39 रनों से हरा दिया है।

165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान की शुरुआत बेहद खराब रही। एक समय उसने 57 के स्कोर तक अपने छह विकेट गवा दिए थे और ऐसा लग रहा था कि ओमान की टीम जल्द ही सिमट जाएगी। ऐसे समय में अयान खान और मेहरान ओमान ने पारी को संभालने का प्रयास किया। अयान खान ने सर्वाधिक 36 रन बनाए। इसके बाद मेहरान खान ने 27 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली। कप्तान आकिब इल्यास (18) और शकील अहमद (11) रन बनाकर आउट हुए। टीम के सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। ओमान की टीम 20 ओवर में 9 विकेट 125 रन बना सकी और 39 रनों से मुकाबला हार गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मार्कस स्टोइनिस ने तीन ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट लिए। मिचेल स्टार्क, नेथन एलिस और ऐडम जम्पा ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। इससे पहले बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में ओमान ने बुधवार को टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में ट्रेविस हेड (12) का विकेट गवां दिया।

पाकिस्तान की शिकायत के बाद आईसीसी ने उठाया कदम, न्यूयॉर्क में बदला टीम का होटल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की शिकायत के बाद पाकिस्तान टीम का न्यूयॉर्क में होटल बदल दिया है। पीसीबी ने शिकायत की थी कि टी20 विश्व कप के दौरान होटल से स्टेडियम जाने में 90 मिनट का समय लगता है। पीसीबी के एक सूत्र ने बताया कि अध्यक्ष मोहसिन नकवी के दखल के बाद पाकिस्तान टीम को दूसरे होटल में भेज दिया गया जो मैदान से सिर्फ पांच मिनट की दूरी पर है। पाकिस्तान को रविवार को न्यूयॉर्क में भारत से खेलना है और 11 जून को कनाडा से सामना होगा। भारतीय टीम को तीन ग्रुप मैच न्यूयॉर्क में खेलने हैं और उसका टीम होटल मैदान से दस मिनट की दूरी पर है। भारत ने आयरलैंड के खिलाफ पहला मैच जीत लिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में 77 रन पर आउट हुई श्रीलंकाई टीम होटल से स्टेडियम की दूरी को लेकर पहले ही चिंता जता चुकी है।

भारत-पाक मैच से पहले बोले अजहर अली- खेल को बदल सकते हैं पाकिस्तान के तेज गेंदबाज

न्यूयार्क (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान टी20 विश्व कप में सबसे प्रतीक्षित मुकाबलों में से एक के लिए तैयार हैं जो 9 जून को खेला जाएगा। इससे पहले पूर्व कप्तान अजहर अली का मानना ??है कि तेज गेंदबाजी विभाग में पाकिस्तान को अपने एशियाई प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ बढ़त हासिल है।

उन्होंने कहा कि 2009 के चैंपियन का मध्यक्रम शानदार फॉर्म में नहीं है। पाकिस्तान 9 जून (आईएसटी) को नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मैच में भारत से भिड़ेगा। दोनों टीमें टी20 विश्व कप में पहले सात बार भिड़ चुकी हैं - फाइनल सहित 2007 में दो बार, 2012, 2014, 2016, 2021 और 2022 में। भारत ने सभी मौकों पर जीत हासिल की है, दुबई में 2021 की भिड़ंत को छोड़कर जहां उन्हें पाकिस्तान से दस विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था।

पाकिस्तान के मध्यक्रम की समस्या और उनकी सलामी जोड़ी में हालिया बदलावों ने चिंता बढ़ा दी है। आक्रामक सलामी बल्लेबाज सैम अयूब को टीम में जगह नहीं मिली जिसके कारण बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान की आजमाई हुई जोड़ी की वापसी हुई।

अजहर अली ने कहा, पाकिस्तान की बात करें तो उनका मध्यक्रम बहुत अच्छा नहीं चल रहा है, जबकि सलामी जोड़ी को भी बदलना पड़ा क्योंकि आक्रामक सैम अयूब को शामिल करना कारगर नहीं रहा। लेकिन बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान सलामी बल्लेबाज के रूप में वापस आ गए हैं, हालांकि टीम को अभी भी कई सवालों के जवाब देने होंगे, खासकर मध्यक्रम के मामले में।

अजहर ने सुझाव दिया कि कागज पर भारत पूरी तरह से संतुलित और मजबूत दिखता है, लेकिन पाकिस्तान के तेज गेंदबाज खेल को बदल सकते हैं। उन्होंने कहा, ??हां, तेज गेंदबाजी के मामले में शायद पाकिस्तान के पास बढ़त है, लेकिन भारत के पास भी जसप्रीत बुमराह जैसे गेंदबाज और अन्य तेज गेंदबाज हैं जो प्रभावशाली हैं।

अजहर ने दोनों पक्षों के बीच स्पिन की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण अंतर को भी उजागर किया। उन्होंने कहा, भारत के स्पिनर भी बेहतर नियंत्रण रख सकते हैं...कुलदीप यादव, (रवींद्र) जडेजा जैसे गेंदबाज (कुलदीप, जडेजा जैसे गेंदबाज)। पाकिस्तान के लिए शायद वसीम के पास वह (नियंत्रण) है, लेकिन शादाब खान के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। मौजूदा फॉर्म के हिसाब से शायद

के बजाय अबरार अहमद को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और बेहतर होगा कि उन्हें (गुरुवार को) संयुक्त राज्य अमेरिका के मुकाबले से ही चुना जाए क्योंकि वह परिस्थितियों का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं। एक लेग स्पिनर को लाइन और लेंथ को बेहतर तरीके से निभाने के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट का अधिक अनुभव होना चाहिए।

यह मानते हुए कि न्यूयॉर्क की पिच कम स्कोर वाली होगी, अजहर का मानना ??है कि यह पाकिस्तान के पक्ष में हो सकती है। 39 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, मुझे लगता है कि कम स्कोर वाली पिच पाकिस्तान को सपाट पिचों की तुलना में बेहतर मौका देती है। हां, पिछले साल एशिया कप में भारत से मिली हार के बाद से हमारी गेंदबाजी पाकिस्तानी गेंदबाजों से अपेक्षित प्रभाव डालने में संघर्ष कर रही है। लेकिन अगर वे सही लेंथ पर ध्यान केंद्रित करके और बहुत अधिक फुल बॉलिंग न करके भारत को कम स्कोर पर रोक सकते हैं, तो खेल जारी रहेगा।

दुनिया के दो बेहतरीन बल्लेबाजों विराट कोहली और बाबर आजम के बीच होने वाले मुकाबले पर सबकी निगाहें रहेंगी। दोनों के बीच तुलना को खारिज करते हुए अजहर ने उच्च दबाव की स्थितियों में कोहली की चमक दिखाने की क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, सभी प्रारूपों में कोहली ने लंबे समय तक अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए, आप वास्तव में दोनों के करियर की तुलना नहीं कर सकते। बाबर को देखना शानदार है और पिछले चार-पांच सालों से टी20 क्रिकेट में भी वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

अजहर ने कहा, कोहली की तरह वह भी पारंपरिक क्रिकेटिंग स्ट्रोक पर भरोसा करता है। लेकिन कोहली ऐसे व्यक्ति हैं जो अन्य बल्लेबाजों के लिए अधिक प्रेरणादायक हैं। उनकी ताकत महत्वपूर्ण खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता है। अगर हम एमसीजी (2022 टी20 विश्व कप) में हुए भारत-पाक मैच को देखें तो केवल कोहली ही ऐसे दबाव की स्थिति में ऐसे अविश्वसनीय शॉट खेल सकते हैं। ध्यान रहे, उस समय पाकिस्तान की गेंदबाजी काफी तेज थी।

डेविड वार्नर टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने, फिंच को पीछे छोड़ा

ब्रिजटाउन (बारबाडोस) (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पूर्व कप्तान आरोन फिंच को पीछे छोड़कर टी20 में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अपना आखिरी टी20 विश्व कप खेल रहे वार्नर ने गुरुवार को केंसिंग्टन ओवल में ओमान के खिलाफ अपने पहले मैच में (आईएसटी के अनुसार) यह उपलब्धि हासिल की। ??उन्होंने 51 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 56 रनों की पारी खेली और अपने पूर्व बल्लेबाजी साथी से आगे निकल गए। ऑस्ट्रेलिया के लिए 104 मैचों में वार्नर ने 33.92 की औसत से 3,155 रन बनाए हैं। उन्होंने टी20 में अब तक 27 अर्धशतक और एक शतक भी लगाया है। दूसरी ओर फिंच ने 103 मैचों में 19 अर्धशतक और दो शतकों की मदद से 3120 रन बनाए हैं। ओमान के खिलाफ अपनी शानदार पारी में उन्होंने मार्कस स्टोइनिस के साथ 102 रनों की साझेदारी भी की जिन्होंने 36 गेंदों पर छह छक्कों और दो चौकों की मदद से 67* रनों की तेज पारी खेली और टीम को 20 ओवरों में 164/5 तक पहुंचाया। स्टोइनिस के क्रीज पर आने से पहले ऑस्ट्रेलिया लगातार गेंदों पर कप्तान मिशेल मार्श (14) और ग्लेन मैक्सवेल (0) के विकेट गंवाने के बाद 8.3 ओवरों में 50/3 रन बनाकर जूझ रहा था।

नॉर्वे शतरंज 2024

कार्लसन नें प्रज्ञानन्दा को हराया, एकल बढ़त बरकरार

ओस्लो, नॉर्वे (एजेंसी)। नॉर्वे शतरंज के 12वें संस्करण में अब टूर्नामेंट अपने अंतिम पड़ाव पर पहुँच गया है और आठ राउंड के बाद इस खिताब को सबसे ज्यादा बार जीतने वाले मेजबान देश के मैगनस कार्लसन एक बार एकल बढ़त पर चल रहे हैं। आठवें राउंड में प्रज्ञानन्दा के खिलाफ सफेद मोहरों से खेलते हुए मैगनस कार्लसन क्लासिकल मुकाबला जीत नहीं सके और मुकाबला बेनतीजा रहा पर उसके बाद हुए टाईब्रेक में उन्होंने जीत दर्ज करते हुए 14.5 अंकों के साथ अपनी एकल बढ़त को कायम रखा है, इससे पहले टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में उन्हें प्रज्ञानन्दा से क्लासिकल में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं दूसरे स्थान पर चल रहे यूएसए के हिकारू नाकामुरा को फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा से टाईब्रेक का सामना करना पड़ा तो विश्व चैम्पियन डिंग लीरेन एक बार फिर टाईब्रेक मुकाबला हार गए और उन्हें यूएसए के फबियानो करूआना ने पराजित किया। अब जबकि दो राउंड बाकी हैं कार्लसन 14.5, नाकामुरा 13.5, प्रज्ञानन्दा 12, अलीरेजा 11, फबियानो 9 और डिंग 4.5 अंक बनाकर खेल रहे हैं। महिला वर्ग में वैशाली ने एना मुजयचूक को पराजित करते हुए अपना तीसरा स्थान 11.5 अंक बनाकर कायम रखा है जबकि चीन की जू वेंजुन 14.5 अंक और उक्रेन की एना मुजयचूक 13 अंक बनाकर पहले और दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के लिए टाइमिंग से छेड़छाड़

न्यूयार्क (एजेंसी)। न्यूयॉर्क में रहने वाली श्वेता पाटिल ने भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट खरीद रखे हैं। श्वेता पहली बार भारत-पाक मुकाबला 9 जून को ग्राउंड पर जाकर देखेंगी। हालांकि, उनकी परेशानी यह है कि मुकाबला न्यूयॉर्क के समय के हिसाब से सुबह 10:30 बजे शुरू होगा। उनका मानना है कि इतना बड़ा मुकाबला शाम को शुरू होता तो बेहतर रहता।

आम तौर पर टी-20 मुकाबले शाम को ही शुरू होते हैं। फिर भारत-पाकिस्तान मैच लोकल टाइम के हिसाब से इतनी जल्दी क्यों हो रहा है? ऐसा इसलिए हो रहा, ताकि आप जैसे भारत में बैठे करोड़ों फैंस अपने टीवी या स्मार्टफोन पर यह मुकाबला अपने प्राइम टाइम यानी रात 8 बजे से देख सकें।

आखिर आईसीसी आपकी सहूलियत का इतना ख्याल क्यों रख रहा है? इससे उसे क्या फायदा होगा? सुबह इतनी जल्दी मैच खेलने से भारतीय टीम को नुकसान तो नहीं होगा? भारत ने पहला मैच भी सुबह 10:30 बजे से ही खेला टीम इंडिया ग्रुप-ए में है। भारत ने न्यूयॉर्क में 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ पहला मैच खेला। मुकाबला भारत के समय के हिसाब से रात 8 बजे शुरू हुआ, लेकिन न्यूयॉर्क में दर्शकों को सुबह-सुबह ही टी-20 मैच देखने के लिए ग्राउंड पहुंचना पड़ा, क्योंकि अमेरिका की टाइमिंग के हिसाब से वहां मैच सुबह 10:30 बजे शुरू हुआ।

टीम इंडिया 9 जून को पाकिस्तान, 12 जून को अमेरिका और 15 जून को कनाडा से भिड़ेगी। सभी मैच अमेरिका के हिसाब से सुबह 10:30 बजे शुरू होंगे, लेकिन भारत में दर्शक इन्हें रात 8 बजे से ही देख सकेंगे।

भारत के सुपर-8 मैच भी रात 8 बजे ही शुरू होंगे - टीम इंडिया ने अगर ग्रुप स्टेज पार कर सुपर-8 राउंड में जगह बनाई, तब भी टीम के सभी मुकाबले भारत के समयानुसार रात 8 बजे ही शुरू होंगे। शेड्यूल में गड़बड़ न हो, इसलिए आईसीसी ने टी-20 रैंकिंग की टॉप-8 टीमों को सीड यानी वरीयता दे रखी है। यानी आईसीसी ने पहले से तय कर दिया है कि सुपर-8 स्टेज में कौन सी टीम किस ग्रुप में रहेगी। सभी सीडेड टीमें सुपर-8 राउंड में पहुंचीं तो टीम इंडिया के मुकाबले न्यूजीलैंड, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया से होंगे। चारों टीमें ग्रुप-1 में रहेंगी। सुपर-8 राउंड में भारत के तीनों मुकाबले वेस्टइंडीज के 3 शहरों में होंगे, लेकिन ये भी लोकल टाइमिंग के हिसाब से सुबह 10:30 बजे से ही खेले जाएंगे। जो भारत में रात 8 बजे से देखे जा सकेंगे।

श्रीलंका की टाइमिंग भी लगभग भारत के जैसी ही है, लेकिन इस शेड्यूल से ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दर्शकों को दिक्कत होगी, क्योंकि भारत के मैच ऑस्ट्रेलियन टाइम के हिसाब से रात 12:30 बजे और न्यूजीलैंड के हिसाब से देर रात 2:30 बजे शुरू होंगे।

भारत का सेमीफाइनल भी सुबह 10.30 बजे ही शुरू होगा - आईसीसी टूर्नामेंट में आमतौर पर सेमीफाइनल का शेड्यूल लोकल टाइमिंग के हिसाब से होता है, लेकिन इस बार सेमीफाइनल और फाइनल दोनों की टाइमिंग भारतीय दर्शकों के हिसाब से की गई है। दोनों सेमीफाइनल मुकाबले भारतीय टाइमिंग के मुताबिक 27 जून को खेले जाएंगे। भारत में पहला मैच सुबह 6 बजे और दूसरा रात 8 बजे से देख सकेंगे।

अमेरिका में सुबह हो रहे इंडिया के मुकाबले, ताकि भारतीयों को न हो परेशानी

इसी सदी में शुरू हुआ टाइम बदलने का ट्रेंड

क्रिकेट का पहला वर्ल्ड कप 1975 में इंग्लैंड में खेला गया, तब मैच इंग्लिश टाइमिंग के हिसाब से ही शुरू होते थे। 1992 का वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला गया, तब भी भारतीय दर्शकों का ध्यान नहीं रखा गया। इस दौरान कुछ मुकाबले देखने के लिए तो सुबह 3 बजे भी जागना पड़ता था।

1999 से 2009 के आईसीसी वनडे टूर्नामेंट में भी लोकल टाइमिंग को ही प्राथमिकता दी गई। इस दौरान ज्यादातर टूर्नामेंट इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज में हुए, जहां वनडे मैच के शुरू होने की टाइमिंग भारत के हिसाब से ही रहती है।

2007 के टी-20 वर्ल्ड कप में फाइनल समेत टीम इंडिया के ज्यादातर मैच भारत के हिसाब से शाम 6 या रात 9 बजे ही शुरू हुए। 2013 की चैंपियंस ट्रॉफी इंग्लैंड में हुई, यहां भी टीम इंडिया के ज्यादातर मैच भारत की टाइमिंग के हिसाब से हुए। यहीं से ज्यादातर आईसीसी टूर्नामेंट में भारतीय दर्शकों का भी ध्यान रखा जाने लगा।

यह आग की झील है। इसका पानी इस्तेमाल करना तो दूर, यहां खड़े होने के बारे में भी सोच नहीं सकते? अगर आपने छलांग लगाई तो जलकर खाक हो जाएंगे।

आग का दरिया नहीं यह झील है खाक हो जाएंगे यहां...

दोस्तों, तुमने बहुत-सी अनोखी और प्राकृतिक सौंदर्य से सराबोर नदियों के बारे में सुना होगा। हो सकता है देखा भी हो। बहुत-सी नदियों के नीले साफ पानी में आपने अपने परिवार और दोस्तों के साथ मौज-मस्ती भी की होगी। करें भी क्यों न नदियों का ठंडा नीला पानी सभी को लुभाता है। इसके ठंडे पानी में घुटनों तक खड़े होकर दूर आसमान को निहारने का लुत्फ अलग ही होता है। पहाड़ी इलाकों में तो नदियों का पानी इस कदर साफ होता है कि लोग हर काम के लिए इन्हीं के जल पर निर्भर होते हैं। यहां तक कि उन्हें इस पानी को पीने में कोई गुरेज नहीं होता। लेकिन क्या आप एक ऐसी नदी के बारे में जानते हैं, जहां का पानी इस्तेमाल करना तो दूर, आप वहां खड़े होने के बारे में भी सोच नहीं सकते? अगर आपने ऐसा करने की हिमाकत की तो आप जलकर खाक हो जाएंगे।

जी हां, अमूमन सागर और झीलों को ठंडक देने के लिए जाना जाता है लेकिन तंजानिया में स्थित नेटरोन झील ठंडे पानी की बजाय अपने तापमान को लेकर पूरे विश्व में मशहूर है। केन्या बॉर्डर से लगती इस झील का तापमान 60 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहता है और इसके पानी में सोडा और नमक की मात्रा भी काफी अधिक है। इसीलिए इसे जंगली जानवरों और पक्षियों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। बहुत अधिक गर्म होने के कारण यहां पर एक बार छलांग लगाने वाला जीव सख्त पत्थर में परिवर्तित हो जाता है। यहां तक कि अब भी इस झील और इसके आसपास ऐसे जीवों के पत्थरनुमा शरीर देखे जा सकते हैं। अपनी अद्वितीय जैव विविधता के कारण तंजानिया ने 4 जुलाई, 2001 को इस झील को रामसर लिस्ट में शामिल किया, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी खासा महत्व रखती है।

10 फुट से भी कम गहराई

इस झील का जल स्तर काफी कम है। यह लगभग तीन मीटर अर्थात 9.8 फुट से भी कम गहरी है। झील के आसपास का क्षेत्र सूखा है हालांकि यहां अनियमित मौसमी वर्षा भी होती है। अमूमन झील का रंग उच्च वाष्पीकरण दरों द्वारा निर्धारित होता है। जब गर्मी के मौसम में झील का पानी भाप बन जाता है और झील पूरी तरह सूख जाती है, तब झील में केवल नमक ही शेष बचता है। ऐसे में, नमक से प्रेम करने वाले सूक्ष्मजीव वहां पनपने लगते हैं। यह सूक्ष्म जीव भी पौधों की भांति प्रकाश संश्लेषण द्वारा अपना भोजन स्वयं बनाने में सक्षम होते हैं। इन सूक्ष्मजीवों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया के कारण झील का रंग लाल और कहीं-कहीं नारंगी भी होता है तथा सतह पर क्षार नमक और सूक्ष्मजीवों के कारण इसका रंग गुलाबी और लाल पाया जाता है। साथ ही नमक, दलदल और ताजा पानी झील के आसपास विभिन्न किस्म के पौधों को उगने के लिए समर्थन करते हैं।

अब आया नया खतरा

अब तक जहां सिर्फ इसका तापमान ही जंगली जानवरों और पक्षियों के लिए खतरे का कारण था, वहीं अब झील पर भी एक नया खतरा मंडरा रहा है। यह नया खतरा उसके किनारे पर सोडा राख संयंत्र का प्रस्तावित विकास है। इस संयंत्र द्वारा झील से पानी पंप करके सोडियम कार्बोनेट निकाला जाएगा, जिससे निर्यात करने के लिए वाशिंग पाउडर बनाया जाएगा। संयंत्र के साथ 1,000 से अधिक कार्यकर्ताओं और एक कोयला आधारित पावर स्टेशन के लिए संयंत्र परिसर में ऊर्जा प्रदान करने के लिए आधार भी बनेगा। साथ ही यह भी संभावना जताई जा रही है कि निकासी की क्षमता बढ़ाने के लिए डेवलपर्स वहां एक हाइब्रिड ब्रान शिम्प अर्थात संकर नमकीन शिम्प की शुरुआत करेंगे। इस संयंत्र से झील को कितना नुकसान होता है, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

चिली की पैरानल ऑब्जर्वेटरी

जहां से दिखते हैं अंतरिक्ष के खूबसूरत नजारे

दोस्तों, इस तस्वीर में आप चिली की पैरानल ऑब्जर्वेटरी (वेधशाला) को देख रहे हैं। उत्तरी चिली के अटाकामा रेगिस्तान स्थित सेरो पैरानल की पहाड़ी पर बनी यह एक खगोलीय वेधशाला है। इसका संचालन यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला द्वारा किया जाता है। ऑब्जर्वेटरी तलतल (चिली शहर) से 80 किमी उत्तर और एन्टोफैगस्ता (प्रांत) से लगभग 120 किमी दक्षिण में 2,635 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

दुनिया में कई ऑब्जर्वेटरीज

गौरतलब है कि अंतरिक्ष विज्ञान में रुचि रखने वाले विशेषज्ञों व वैज्ञानिकों ने दुनिया में अलग-अलग जगहों पर ऐसी ऑब्जर्वेटरीज बनाई हैं, जहां से वे अंतरिक्ष में होने वाले परिवर्तनों को आसानी से देख व समझ सकें। शहर की चकाचौंध से दूर अटाकामा रेगिस्तान, भूमि आधारित खगोल विज्ञान के लिए एक आदर्श जगह है।

हॉलीवुड मूवी में फिल्मांकन

पैरानल ऑब्जर्वेटरी में चार 8.2 मीटर (320 इंच) के वीएलटी (वेरी लार्ज टेलिस्कोप) लगे हुए हैं। वहीं 1.8 मीटर (71 इंच) के चार सहायक टेलिस्कोप हैं। इसके अलावा 4.0 मीटर (160 इंच) का विस्टा और 2.6 मीटर (100 इंच) का वीएलटी सर्वे टेलिस्कोप लगा हुआ है। अगर आपको ध्यान हो, तो 2008 में हॉलीवुड फिल्म जेम्स बॉन्ड में इस जगह को फिल्माया गया था।

विजिटर्स के लिए फ्री टूर की पेशकश

पैरानल ऑब्जर्वेटरी में शक्तिशाली टेलिस्कोप के अलावा कंट्रोल और मेंटेनेंस बिल्डिंग है। साथ ही स्टाफ और पर्यटकों के रहने के लिए टेलिस्कोप से तीन किमी की दूरी पर होटल सुविधा भी उपलब्ध है। होटल टेलिस्कोप वाली जगह से 200 मीटर कम ऊंचाई पर स्थित है। इस वेधशाला की खासियत है कि ये अपने विजिटर्स के लिए फ्री टूर की पेशकश करता है।

दुनिया का सबसे ऊंचा 169 फुट का वाटर स्लाइड!

पानी पर रोमांच करना किसे अच्छा नहीं लगता! फिर चाहे बच्चा हो या बड़ा, हर कोई वाटर स्लाइड का नाम सुनते ही खुशी से झूमने लगता है। आपने आज तक बहुत-सी वाटर स्लाइड की होंगी लेकिन शायद आपको यह जानकर हैरानी हो कि अब एक ऐसी भी वाटर स्लाइड बन गई है, जिसकी लंबाई लगभग 169 फीट है। जी हां, कैनकास सिटी में स्लिश्टरबेहन के वाटर पार्क में दुनिया के इस सबसे ऊंचे वाटर स्लाइड को बनाया गया है। स्लिश्टरबेहन के वाटर पार्क में बने विश्व के इस सबसे ऊंचे वाटर स्लाइड का नाम वेरक्ट रखा गया है। अपनी इस ऊंचाई के कारण यह गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल हो चुका है।

65 मील प्रतिघंटे की रफ्तार

यह वाटर स्लाइडर पानी में रोमांच की सबसे ऊंची जगह है, जहां पर स्लाइड करने वाला व्यक्ति 65 मील प्रतिघंटे की रफ्तार से नीचे आता है। 17 मंजिला लगभग 169 फुट ऊंचा यह वाटर स्लाइड नाइजीरिया के वाटर फॉल से भी ऊंचा है। पानी और ऊंचाई पर रोमांच की इस दुनिया को बनाने का श्रेय स्लिश्टरबेहन के को-ओनर जैफ हेनरी को दिया जाता है। इसे डिजाइन किया है स्लिश्टरबेहन वाटर पार्क के सीनियर डिजाइनर जॉन स्कूली ने। यह इतना ऊंचा है कि इसे बनाने वाले जैफ हेनरी ने ही इसे एक मॉन्स्टर अर्थात दैत्य की संज्ञा दी है। नवम्बर 2012 में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट काफी पहले ही लोगों के लिए खोल दिया जाता लेकिन बहुत-सी परेशानियों के बाद इसे पूरा होने में लगभग डेढ़ साल लग गए और अंत में कड़ी मेहनत के बाद 10 जुलाई 2014 को आम लोगों के लिए खोल दिया गया।

बच्चे नहीं जा सकते

इस स्लाइड के राफ्ट में एक साथ तीन से चार लोग बैठकर इसका आनंद उठा सकते हैं। इस स्लाइड में बच्चों को जाने की अनुमति नहीं है। इस स्लाइड में जाने के लिए व्यक्ति की हाइट 5 फीट से अधिक होनी आवश्यक है। विश्व की सबसे ऊंची यह वाटर स्लाइड तभी चालू की जाती है, जब राफ्ट का वजन 400 से 550 पाउंड के बीच हो। चूंकि यह स्लाइड न सिर्फ वहां के निवासियों अपितु पर्यटकों को भी काफी लुभा रही है, इसलिए इस स्लाइड को इंज्वॉय करने के लिए रिजर्वेशन प्रोसेस शुरू किया गया है। इस स्लाइड पर बैठकर ऐसा अनुभव होता है जैसे कोई एम्पायर स्टेट बिल्डिंग से कूद रहा हो। चूंकि यह स्लाइड जितनी रोमांचक है उतनी ही डरावनी भी। इसलिए कमजोर दिल के व्यक्तियों को इस स्लाइड पर नहीं बैठना चाहिए। अगर आप कभी कैनकास सिटी जाएं तो इस राइड का लुत्फ अवश्य उठाएं लेकिन तभी जब आपका दिल मजबूत हो!

दुनिया का सबसे बड़ा सी-साइड टाउन इटली का

ट्रोपिया

दक्षिण इटली में स्थित ट्रोपिया एक खूबसूरत सी साइड टाउन है। इसे कोस्ट ऑफ गॉड्स भी कहा जाता है। यहां आने वाले इस जगह को परफेक्ट समर हॉलीडे डेस्टिनेशन मानते हैं। इस जगह का इतिहास उतना ही पुराना है जितना कि रोमन पीरियड। कहा जाता है कि जब हरक्यूलिस, स्पेन लौट रहे थे तो उन्होंने कुछ वक्त के लिए ट्रोपिया को अपना पोर्ट बना लिया था। इसी वजह से आज भी यहां की सड़कों पर पुराना आर्किटेक्चर दिखाई देता है।

ट्रोपिया में और बहुत कुछ...

यहां का नॉर्मन चर्च डुओमो सबसे आकर्षक इमारत है। यहां आने वाले जगह के इतिहास को जान सकें, इसलिए मुसियो डिओसीसैनो म्यूजियम है। सेंटा मारिया डेलसोला, लिडो एल.ओइस, पियाजा इर्कोले देख सकते हैं।

क्लिफ के ऊपर होने के कारण ये जगह काफी डरावनी दिखाई देती है। एक के बाद एक यहां कई बीचेस हैं जहां का पानी बिलकुल साफ है। यहां मिलने वाले वुडन स्टैचू और चांदी के सामान की सप्लाई इटली में होती हैं।

ट्रोपिया से दूसरी तरफ स्थित बड़े आकार वाले रॉक खूबसूरत दिखते हैं। कहा जाता है कि कई साल पहले ये जगह एक टापू था। अब सिर्फ पत्थर हैं।

छोटी-छोटी सड़कों के कोने पर बने रेस्त्रां में खाने का अलग स्वाद मिलता है। अब यहां लोग सनबाथ या एडवेंचर गेम्स का मजा लेने आते हैं, लेकिन सदियों पहले चर्च, पैलेस, गार्डन देखने आया करते थे। पूरे शहर में एक ही तरह का खाना मिलता है। ट्रेडिशनल फूड में स्वीट रेड अनियन सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। दरअसल, ये जगह रेड अनियन (प्याज) के लिए प्रसिद्ध है। यहां आने वाले प्याज लेकर जाते हैं। ट्रोपिया को देखने के लिए यहां रेलवे लाइन और बोट ट्रिप उपलब्ध हैं। जुलाई और अगस्त में यहां सबसे ज्यादा लोग आते हैं। मई, जून और सिंतबर में ज्यादा टूरिस्ट होने के कारण जगह काफी सस्ती है।

हॉरर कॉमेडी फिल्म में दिखेंगे संजय दत्त

पिछले दिनों खबरें आई थीं कि अभिनेता संजय दत्त ने फिल्म वेलकम टू द जंगल से दूरी बना ली है, क्योंकि अपनी सेहत को देखते हुए उसमें एक्शन सीन नहीं करना चाह रहे थे। कॉमेडी, एक्शन, रोमांस समेत कई जॉनर में अभिनय कर चुके संजय ने हॉरर कॉमेडी में अब तक हाथ नहीं आजमाया है। अब खलनायक की भूमिका से इतर उन्होंने अपना रास्ता थोड़ा बदलते हुए हॉरर कॉमेडी की ओर कर लिया है।

संजय अपनी अगली फिल्म द वर्जिन ट्री में न केवल अभिनय, बल्कि इसका सहनिर्माण भी कर रहे हैं। इस फिल्म में वह घोस्टबस्टर यानी भूत पकड़ने वाले बने हैं। फिल्म की घोषणा साल 2022 में ही हुई थी, लेकिन फिर इसे लेकर खास जानकारियां सामने नहीं आई थी। अब फिल्म के निर्माता दीपक मुकुट ने फिल्म के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हॉरर कॉमेडी होने के साथ ही फिल्म म्यूजिकल भी है। आजकल हॉरर जॉनर काफी पसंद किया जा रहा है। कुछ वर्षों पहले मैंने ही संजय को एक म्यूजिक वीडियो के लिए अप्रोच किया था। उनके पास इस फिल्म कहानी थी। उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और हम इससे जुड़ गए। हमने स्क्रिप्ट और कास्ट को फाइनल कर लिया। सिद्धांत सचदेव फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। वह हारर जानर बनाने के लिए प्रसिद्ध विक्रम भट्ट के साथ काम कर चुके हैं। आगे संजय के किरदार के बारे में बात करते हुए मुकुट बताते हैं कि संजय फिल्म में घोस्टबस्टर जरूर बने हैं, लेकिन उनके पास तरह-तरह के गैजेट्स यानी यंत्र होंगे, जिससे वह आत्माओं और भूत-प्रेत को ढूढेंगे और पकड़ेंगे। फिल्म की कहानी एक पेड़ के इर्द-गिर्द घूमेगी, जिसमें सुपरनेचुरल शक्तियां होंगी। द वर्जिन ट्री फिलहाल वर्किंग टाइटल है। संजय के साथ फिल्म में मौनी राय और पलक तिवारी भी अहम भूमिकाओं में होंगी। अगस्त में फिल्म को रिलीज करने की योजना है।

अदा शर्मा ने अपने अभिनय से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। '1920' से डेब्यू करने के बाद 'कमांडो 2', 'कमांडो 3' और 'सेल्फी' जैसी फिल्मों में काम किया। इसके बाद 2023 में फिल्म 'द केरल स्टोरी' ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया। इस फिल्म में वह शालिनी उन्नीकृष्णन की भूमिका में दिखीं। उनके अभिनय से तो सभी वाकिफ हैं, लेकिन इस वक्त सोशल मीडिया पर अदा की गायिकी की तारीफ हो रही है। अदा शर्मा हाल ही में मुंबई में नए अपार्टमेंट में शिफ्ट हुई हैं। यह वही अपार्टमेंट है, जहां दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत रहा करते थे।

तारीफ बटोर रहीं अदा शर्मा

'इस प्यार को क्या नाम दूं' और 'कुलवधू' जैसे सीरियल्स से मशहूर हुईं दलजीत कौर पिछले कुछ समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हेडलाइंस में छाई हुई हैं। दलजीत कौर ने पिछले साल NRI बिजनेसमैन निखिल पटेल से शादी की थी, लेकिन कुछ महीने बाद ही वह अपने बेटे के साथ भारत लौट आई थीं।

दलजीत ने पति पर साधा निशाना

कई महीनों से दलजीत कौर के पति निखिल पटेल से अलग होने की चर्चा हो रही थी। कुछ समय पहले अभिनेत्री ने एक पोस्ट से पति के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की ओर इशारा किया था। फिर निखिल पटेल ने भी एक इंटरव्यू में साफ कह दिया था कि वह दलजीत से अलग हो चुके हैं और वह दलजीत के आरोपों के खिलाफ लीगल एक्शन लेंगे। अब टीवी एक्ट्रेस ने एक और पोस्ट से निखिल पर निशाना साधा है। दलजीत कौर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर केन्या स्थित अपने ससुराल से एक फोटो शेयर की है और उस दीवार की झलक दिखाई है, जिस पर खुद एक्ट्रेस ने एक खूबसूरत पेंटिंग बनाई थी। पिछले साल शादी के बाद जब दलजीत केन्या शिफ्ट हुई तो उन्होंने ही दीवार को अपनी पेंटिंग से सजाया था। अब एक्ट्रेस ने एक पोस्ट के जरिए इशारों-इशारों में बताया है कि निखिल ने शायद उनकी पेंटिंग को हटवा दिया है।

रणबीर कपूर की पड़ोसी बनीं तृप्ति डिमरी

रणबीर कपूर स्टारर 'एनिमल' से चर्चा में आईं एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी अब रणबीर की ही पड़ोसी बन गई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में मुंबई के बांद्रा इलाके में 14 करोड़ का घर खरीदा है। एक खबर के मुताबिक, तृप्ति ने हाल ही में मुंबई के कार्टर रोड पर एक ग्राउंड प्लस टू फ्लोर बंगला खरीदा है। यह बंगला 2,226 स्क्वायर फीट में फैला है और इसका बिल्ट-अप एरिया 2,194 स्क्वायर फीट है।

14 करोड़ की कीमत वाले इस बंगले पर एक्ट्रेस ने 70 लाख रुपए की स्टांप ड्यूटी भी चुकाई है। इसके अलावा एक्ट्रेस ने 30 हजार रुपए का रजिस्ट्रेशन चार्ज भी भरा। एक्ट्रेस ने 3 जून को इसका रजिस्ट्रेशन करवाया था। तृप्ति ने जिस कार्टर रोड एरिया में यह बंगला खरीदा है वहां शाहरुख खान, सलमान खान और रेखा समेत कई बड़े बॉलीवुड सेलेब्स के बंगले मौजूद हैं। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट का बंगला भी इसी इलाके में है। इस तरह तृप्ति अपनी फिल्म 'एनिमल' के को-एक्टर रणबीर कपूर की पड़ोसी भी बन गई हैं।

उत्तराखंड के गढ़वाल की रहने वाली तृप्ति ने 2017 में श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम' से एक्टिंग डेब्यू किया था। फिर वो सनी देओल स्टारर 'पोस्टर बॉयज' में भी नजर आई थीं। इसके बाद बतौर लीड एक्ट्रेस उनकी पहली फिल्म 'लैला मजनू' थी। 'बुलबुल' और 'कला' जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स में नजर आईं तृप्ति को पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' से जबरदस्त फेम मिला। वर्कफ्रंट पर तृप्ति की अगली फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' है। इसमें उनके अपोजिट राजकुमार राव नजर आएंगे। इसके अलावा उनके पास कार्तिक आर्यन स्टारा 'भूल भुलैया 3', करण जौहर की 'बैड न्यूज' और 'धड़क 2' जैसी फिल्में भी हैं।

यंग लड़के को डेट करने पर बोली थीं मलाइका

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर बॉलीवुड के फेमस कपल्स में गिने जाते हैं। कपल्स की उम्र में 12 साल का गैप है। जहां मलाइका 50 साल की हैं वहीं अर्जुन कपूर 38 साल के हैं। अपने से काफी छोटे लड़के को डेट करने को लेकर उनके रिश्ते की शुरुआत में मलाइका को खूब ट्रोल किया गया था। इन दिनों सोशल मीडिया पर मलाइका का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वो ऐज गैप को लेकर ट्रोलर्स को जवाब देती नजर आई थीं। मलाइका का कहना है कि अर्जुन अपनी मर्जी से मेरे पास आया है, मैंने उसे रास्ते से नहीं पकड़ा है। मैं उसकी जिंदगी बर्बाद नहीं कर रही हूं। मलाइका वीडियो में कहती हैं- लोग मेरी ऐज को लेकर बहुत ऑब्सेस्ड हैं। सिर्फ ये नहीं कि मैं बूढ़ी हूं, बल्कि एक यंग लड़के को डेट भी कर रही हूं। लोगों को लगता है कि मैं अर्जुन की लाइफ बर्बाद कर रही हूं। तो मैं ये कहना चाहती हूं कि ऐसा तो नहीं था कि वो स्कूल जा रहा था। उसका पढ़ाई में मन नहीं लगता था, तो मैंने कहा आ जाओ मेरे पास। मलाइका ने हंसते हुए आगे कहा कि ऐसा भी नहीं है कि जब हम डेट पर जाते हैं, तो वो अपनी क्लासेस बंक करके आता है। मलाइका ने कहा- मैंने उसे किसी गली से नहीं पकड़ा है, जहां वो पोकेमॉन को पकड़ रहा था। वो एक अडल्ट है और अपने फैसले ले सकता है। बता दें, बीते दिनों ऐसी खबरें आई थीं कि अर्जुन और मलाइका का ब्रेकअप हो गया है। लेकिन बाद में मलाइका के मैनेजर ने इस खबर का खंडन करके इसे अफवाह करार दिया था।

सिद्धार्थ के हाथ लगी एक और एक्शन फिल्म

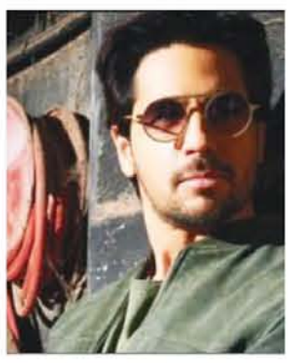

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से अपने करियर की शुरुआत करने वाले एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम किया है। इसी साल मार्च में उनकी मूवी 'योद्धा' रिलीज हुई, जो बॉक्स ऑफिस पर अपना कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। अब खबर आ रही है कि एक बार फिर एक्टर एक्शन अवतार में दिखाई देने वाले हैं। इस बार सिद्धार्थ ने मुराद खेतानी के साथ हाथ मिलाया है और इस मूवी को साइन भी कर लिया है।

शर्मिन सहगल के ट्रोलर्स पर भड़कीं ऋचा चड्ढा

संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' की रिलीज के बाद से शर्मिन सहगल को खूब ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है। इस सीरीज में शर्मिन ने 'आलमजेब' का किरदार निभाया है। दरअसल, ऋचा चड्ढा ने एक पोस्ट शेयर किया था। उनके पोस्ट पर एक यूजर ने शर्मिन को ट्रोल करते हुए कमेंट किया। जिसके बाद ऋचा को गुस्सा आया। उन्होंने कमेंट का स्क्रीनशॉट लेकर लंबा-चौड़ा नोट लिखा है। पिछले एक महीने से मैं अपने कमेंट बॉक्स से अपनी को-स्टार के बारे में किए गए नेगेटिव कमेंट्स डिलीट कर रही हूं। दोस्तों, क्रिटिसाइज करो लेकिन इतनी नफरत के साथ? किसी की परफॉर्मेंस को एक्सेप्ट न करना ठीक है। मत करो पसंद, आपका हक है। पर ऐसे चटकारे लेकर ट्रोल तो मत करो, प्लीज। ऋचा चड्ढा ने आगे लिखा- मुझे पता है कि किसी ट्रेंड में शामिल होना अच्छा लगता है, लेकिन किसी दूसरे इंसान को क्लिक बैट बनाना? मुझे लगता है कि हम सभी इससे बेहतर कर सकते हैं, इससे बेहतर हो सकते हैं। प्लीज दूसरों के प्रति थोड़ा दयालु बनें। ये किसी के मेंटल हेल्थ को इफेक्ट कर सकता है। अभी-अभी एक बड़ा चुनाव हुआ है, गर्मी की लहर चल रही है, दुनिया में बहुत कुछ चल रहा है। कृपया आगे बढ़ें?

सोनम कपूर का खुलासा

बॉलीवुड में स्टार किड्स का जिक्र हो, तो उसमें 'झकास' एक्टर अनिल कपूर की लाडली बेटी सोनम कपूर का नाम जरूर शामिल होगा। सोनम ने अपने पिता की तरह ही इंडस्ट्री में अपना करियर बनाया, लेकिन उन्हें वो पहचान नहीं मिल पाई, जो एक्ट्रेस के पिता को मिली। फिल्मी बैकग्राउंड से होने के बावजूद भी सोनम के लिए यह सफर आसान नहीं रहा। उन्होंने अपनी लाइफ में कई अप्स एंड डाउन देखे और बिना हार माने अपनी पहचान बनाई। आज वह एक्टिंग के साथ-साथ अपने फैशन को लेकर भी लाइमलाइट में रहती हैं। 9 जून को एक्ट्रेस अपना 39वां जन्मदिन सेलिब्रेट करने वाली हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं उनकी लाइफ से जुड़े कई दिलचस्प किस्से। हालांकि शुरुआत में सोनम कपूर एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थीं। सोनम कपूर और अर्जुन कपूर कजिन हैं। दोनों आपस में काफी अच्छा बॉन्ड भी शेयर करते हैं। इन दोनों ही स्टार्स ने एक ही स्कूल से पढ़ाई की है। एक बार एक इंटरव्यू में एक्टर ने इस बात का खुलासा किया था कि सोनम की वजह से उनकी बचपन में पिटाई हुई थी।

आलिया से लड़ाई होने पर क्या करते हैं रणबीर ?

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट बॉलीवुड के सबसे प्यार कपल में से एक हैं। रणबीर कपूर ने एक बार करीना कपूर के साथ खास बातचीत में बताया था कि आलिया के साथ झगड़ा होने पर उनका रिएक्शन कैसा होता है और वहीं आलिया कैसे रिएक्ट करती हैं? मिर्ची प्लस के लिए करीना कपूर खान से खास बातचीत में रणबीर कपूर ने बताया था कि अगर लड़ाई होती है, तो मैं स्पेस लेता हूं। लेकिन कभी-कभी होता है कि जब कपल लड़ते हैं तो एक दूसरे को चोट पहुंचाने के लिए बहुत सी ऐसी चीजें कह दी जाती हैं जो शायद आप कहना भी नहीं चाहते या आपका मतलब वो नहीं होता है। सामने वाले को लगता है कि आप सोच-समझकर ये बोल रहे हैं।

आलिया उनमें से हैं, वो वकील हैं, तो अगर उन्हें लगता है कि उनके साथ गलत किया गया है वो तबतक उस बात को जाने नहीं देंगी जबतक अपना प्वाइंट साबित ना कर लें। उन्होंने बताया था कि वो उनमें से हैं जिनमें बिल्कुल ईगो नहीं है, सेल्फ रिस्पेक्ट भी नहीं है। उन्होंने कहा कि चाहे मेरी गलती हो या ना हो मैं खुशी-खुशी सॉरी बोल सकता हूं। लेकिन मुझे स्पेस का कॉन्सेप्ट पसंद है। रणबीर ने कहा कि

नया शर्मा ने ब्लैक ब्रालेट में ढाया कहर

हॉट टीवी एक्ट्रेस निया शर्मा ने एक बार फिर अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें वो हॉटनेस का तड़का लगाती हुई नजर आ रहीं हैं। इन तस्वीरों में निया शर्मा को देख फैंस ने तारीफों के पुल बांधना शुरू कर दिया है। इन फोटोज में निया शर्मा ब्लैक ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज और ट्रांसपेरेंट स्कर्ट में काफी हॉट लग रहीं हैं, जिन पर फैंस दिल हार बैठे हैं। इन तस्वीरों में निया शर्मा अपनी पतली कमर और कर्वी फिगर को जमकर फ्लॉन्ट करती हुई दिखाई दे रहीं हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए निया शर्मा ने इन्हें कैप्शन दिया - चुड़ैल काले रंग में वाइबिंग कर रही है...। निया शर्मा की इन तस्वीरों पर उनके लाखों फैंस - लुकिंग गॉर्जियस, उफ्फ, ग्लैमरस, क्लास, ब्यूटीफुल, टू हॉट और हॉटी गर्ल जैसे कमेंट्स करते नजर आ रहे हैं।

नए कलेवर में पर्दे पर नजर आएंगे कृष्णा

जिजीविषा किसी भी व्यक्ति के विकास की अहम कड़ी होती है। संघर्ष पथ पर पूरी क्षमता के साथ चलते-चलते व्यक्ति मंजिल को प्राप्त कर सकता है। इस कथन को सच साबित किया है सिनेमा जगत के उभरते अभिनेता मनु कृष्णा ने। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले की सोहावल तहसील से सटी प्रमुख बाजार सुचितागंज से निकलकर दिल्ली और थिएटर के रास्ते बॉलीवुड का सफर तय करने वाले मनु कृष्णा महिला सशक्तिकरण से लेकर अनेक प्रमुख सामाजिक विषयों पर बन रही फिल्मों का हिस्सा हैं। प्रणामी समाज के आराध्य श्री प्राणनाथ जी के जीवन पर आधारित धारावाहिक श्री प्राणनाथ जी समेत कई धारावाहिकों में दमदार अभिनय के दम पर वह सिने जगत में अपनी उपस्थिति दर्ज कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने महिला सशक्तिकरण का प्रतिनिधित्व करने वाली फिल्म जया तथा आदिवासी पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म रामधारी के माध्यम से वह नए कलेवर में पर्दे पर नजर आएंगे। **हमारा महानगर** ने उनके इस सफर तथा अन्य सरोकारों को लेकर उनसे बातचीत की प्रस्तुत है प्रमुख अंशः

इस तरफ रुझान कैसे हुआ ?

छात्र जीवन से ही सांस्कृतिक आयोजनों में भाग लेने की रुचि थी जो आगे चलकर फिल्मों में काम करने के जुनून तक जा पहुंची।

किन-किन धारावाहिकों में काम किया?

पढ़ाई पूरी करने के बाद दिल्ली गया। वहां तीन साल तक थिएटर करने के बाद मुंबई आया तब से यही निरंतर कर्तव्य पथ पर डटा हूं।

अब तक किन किन धारावाहिकों में काम किया?

प्रणामी समाज के आराध्य श्री प्राणनाथ जी के जीवन पर आधारित धारावाहिक श्री प्राणनाथजी में मुख्य भूमिका निभाई। इसके अलावा सुनैना, मिस्टर जुगाड़ू लाल, ऐसा प्रेम कहां, तेरा बाप मेरा बाप, फिर सुबह होगी, चोर फुलिस तथा श्याम तुलसी धारावाहिक में काम किय। सामाजिक कुरीतियों को उजागर करने वाला धारावाहिक श्याम तुलसी लोगों में आकर्षण का केंद्र रहा है। इसने एक अलग पहचान दी। इसके अलावा कन्नड़ भाषा में बनी फिल्म रूपांतरम तथा अज्ञेयम में भी काम किया।

आने वाली फिल्म जया तथा रामधारी के बारे में कुछ बताइए?

फिल्म जया महिला सशक्तिकरण की विषय वस्तु पर आधारित है। कोरोना कालखंड की एक सच्ची घटना पर आधारित यह फिल्म समाज में महिलाओं के संघर्ष को बयां करती है। आदिवासियों के जीवन तथा उनके संघर्ष को बयां करने वाली विषयवस्तु पर बनी फिल्म रामधारी समाज को एक नई दिशा दे सकती है।

शास्त्रीय और समकालीन संगीत का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण

भारतीय शास्त्रीय कलाओं की समृद्ध विरासत को बढ़ावा देने और पोषित करने के लिए समर्पित आईएनटी आदित्य बिड़ला सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स ने प्रसिद्ध सितार वादक पुरबयान चटर्जी की विशेषता वाले शास्त्रीय फ्यूजन संगीत की एक असाधारण शाम की घोषणा करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। यह कार्यक्रम क्लासिकूल - कॉन्सर्ट शीर्षक के तहत आयोजित किया जाएगा, जो पारंपरिक और समकालीन ध्वनियों का एक आकर्षक मिश्रण होगा, जिसमें पुरबयान चटर्जी सितार पर, तौफीक कुरैशी और पर्कशन पर, ओजस आधिया तबला पर, शिखर नाद कुरैशी पर्कशन पर, संगीत हलदिपुर कीबोर्ड पर, मौसुमी दत्ता बास गिटार पर और मेघा रावत सितार पर प्रदर्शन करेंगे। यह कॉन्सर्ट रविवार, 16 जून को शाम 7:00 बजे सेंट एंड्रयूज ऑडिटोरियम, बांद्रा में होगा। क्लासिकूल - कॉन्सर्ट एक अनूठा कॉन्सर्ट है जो शास्त्रीय और समकालीन संगीत का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण प्रस्तुत करेगा, जिसमें प्रत्येक कलाकार की विशिष्टता को उजागर किया जाएगा। पुरबयान चटर्जी के सितार प्रदर्शन अपनी जटिल धुनों और गहन गहराई के लिए जाने जाते हैं, जबकि तौफीक कुरैशी का पर्कशन पर कौशल संगीत को एक जीवंत और रोमांचक लय प्रदान करता है। प्रख्यात तबला वादक ओजस आधिया और अनुभवी पर्कशन वादक शिखर नाद कुरैशी इस समूह में सम्मोहक लय प्रदान करेंगे। कीबोर्ड पर संगीत हलदिपुर और बास गिटार पर मौसुमी दत्ता कॉन्सर्ट में आधुनिक और विविध ध्वनियाँ जोड़ेंगे।

नोएडा एयरपोर्ट के नजदीक बनेगा हैबिटेट सेंटर और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नजदीक हैबिटेट सेंटर व इंडिया इंटरनेशनल सेंटर बनाए जाएंगे। यमुना प्राधिकरण के सेक्टर नौ में तीन सौ एकड़ में इन्हें विकसित किया जाएगा।

पचास प्रतिशत जमीन पार्किंग के लिए होगी। प्राधिकरण हैबिटेट सेंटर व इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के विकास के लिए सलाहकार एजेंसी नियुक्त करेगा। इसके लिए जल्द आवेदन मांगे जाएंगे।

यीडा क्षेत्र में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण चल रहा है। अक्टूबर में यहां से यात्री सेवाएं संचालित करने का लक्ष्य है। नोएडा एयरपोर्ट के शुरू होने से यीडा क्षेत्र को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए प्राधिकरण ने हैबिटेट सेंटर एवं इंडिया इंटरनेशनल सेंटर विकसित करने का फैसला किया है।

प्राधिकरण सीईओ डा. अरुणवीर सिंह का कहना है कि गौतमबुद्ध नगर में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए अभी तक खास ढांचागत सुविधाएं नहीं है। हैबिटेट सेंटर व इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के विकसित होने से राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर की कॉन्फ्रेंस, प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि के आयोजन सफलता पूर्वक हो सकेंगे।

सेक्टर नोएडा में डेढ़ -डेढ़ सौ एकड़ में इन्हें विकसित किया जाएगा। भूखंड के पचास प्रतिशत हिस्से पर पार्किंग की सुविधा दी जाएगी। सलाहकार एजेंसी के चयन के लिए जल्द प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

देश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा जेवर एयरपोर्ट : धीरेन्द्र सिंह

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा है कि नागरिक उड्डयन के इतिहास में जेवर में बन रहा नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट देश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। विधायक धीरेन्द्र सिंह ने जेवर में बन रहे नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का निरीक्षण किया तथा जेवर एयरपोर्ट पर चल रहे निर्माण कार्यों के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने संकेत दिया कि एयरपोर्ट दिसम्बर 24 तक जनता को समर्पित होगा। वैसे एयरपोर्ट शुरू होने की डेडलाइन 30 सितंबर 2024 है।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के प्रोजेक्ट हेड दिनेश जामवाल व अन्य अधिकारियों के साथ नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की प्रगति को देखा और समझा कि क्या-क्या अतिआधुनिक सुविधाएं नोएडा हवाई अड्डे पर यात्रियों को दी जाने वाली हैं। आगमन और प्रस्थान टर्मिनल का कार्य बहुत तेजी से चल रहा है। साथ ही बिजली और पानी फिटिंग का काम भी बहुत तेजी से चल रहा है। ग्रेनाइट पत्थर लगाए जाने का कार्य भी प्रगति पर है। एटीसी बिल्डिंग भी कंप्लीट होने की कगार पर है तथा रनवे पर फाइनल लेयर का काम काफी हद तक पूरा हो चुका है तथा अवशेष कार्य भी शीघ्र पूरा हो जाएगा और उम्मीद है कि माह दिसंबर 2024 तक नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।

जनसेवा केन्द्र को लूटने वाले सलाखों के पीछे

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 पुलिस व सीडीटी टीम सेन्ट्रल नोएडा द्वारा संयुक्त रूप से लूट की घटना में शामिल दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से लूट के 4 मोबाइल फोन, लूट के 25,000/रूपये नगद, 1 आधार कार्ड, घटना में प्रयुक्त मो0सा0 टीवीएस स्पोर्ट व अवैध शस्त्र बरामद किया है।

एनसीआर क्षेत्र में लूट/चोरी की घटना को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने चैकिंग के दौरान जे-ब्लॉक सेक्टर 63 बिजली घर के पास से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए बदमाश कुलदीप उर्फ बत्तड पुत्र धर्मवीर व लोकेश

कुमार उर्फ लोकी पुत्र अशोक कुमार ने पूछताछ में बताया कि बीते 10 अप्रैल को उन्होने अपने साथी गौरव पुत्र नरेश के साथ मिलकर गढ़ी चौखण्ड़ी गोल चक्कर स्थित जनसेवा केन्द्र पर लूट की घटना को अंजाम दिया था। जिसमें 6 मोबाइल फोन, करीब 70 हजार रूपये व 01 सोने की जंजीर लोकेट सहित तथा एक आधार कार्ड लूटा था।

पुलिस फरार अभियुक्त गौरव की तलाश कर रही है।

स्वास्थ्य सेवा में निवेश से खुलेंगे तरक्की के रास्ते : डॉ. डी.के. गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। फेलिक्स अस्पताल के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता ने स्वास्थ्य सेवा में बड़े निवेश की हिमायत करते हुए कहा है कि स्वास्थ्य सेवा में निवेश से देश की तरक्की के रास्ते खुलेंगे और ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच पाएंगी।

नई दिल्ली के इरोस होटल, नेहरू प्लेस में 13वां इलेट्स हेल्थकेयर इनोवेशन समिट का शुभारंभ हुआ। इस दौरान डिजिटल स्वास्थ्य इनोवेटर्स और हेल्थकेयर व्यवसाय के विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की गई। फेलिक्स अस्पताल के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता ने चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवा में संभावनाएं अत्यंत व्यापक और विविध हैं। यह क्षेत्र निरंतर विकासशील है और नई तकनीक, नीतियों और प्रक्रियाओं के साथ प्रगति कर रहा है।

डा. गुप्ता ने कहा कि मोबाइल हेल्थ एप्स के जरिये स्वास्थ्य निगरानी, रोग प्रबंधन उपयोग हो रहा है। अब मरीज की जानकारी रखने के लिए इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड्स को डिजिटली स्टोर करना और शेयर करना आसान होता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हेल्थकेयर सेक्टर में कई बदलाव लेकर आया है, जो रोगी की देखभाल और क्वालिटी जीवन जीने में मदद कर सकता है।

भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली जटिल और बहुआयामी है। जहां सरकारी और निजी दोनों ही सुविधा देश की 1.3 बिलियन से अधिक आबादी को चिकित्सा सेवा प्रदान कर रही हैं। सरकार ने देश की ग्रामीण आबादी के लिये स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार के लिये कई पहलों की शुरुआत की है। जिसमें आयुष्मान भारत' योजना है। हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में अभी भी कई चुनौतियां है। जिसमें स्वास्थ्य कर्मियों की कमी और आधारभूत संरचना प्रमुख है।

उन्होंने कहा कि मेडिकल स्कूलों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या में वृद्धि करना चाहिए। स्वास्थ्य पेशेवरों को वित्तीय प्रोत्साहन की पेशकश की जाए। अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहित किए जाए। जिससे नई दवा के विकास में अधिक निवेश का समर्थन किया जा सकें।

हाई पॉवर कमेटी पर किसानों की नजर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय किसान सभा गौतम बुद्ध नगर इकाई

की मासिक बैठक जिला कार्यालय जैतपुर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने की।

किसान सभा की बैठक में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अंतर्गत अधिग्रहण से प्रभावित किसानों के 10 प्रतिशत आबादी प्लाट के मुद्दे नए कानून को लागू करने, आबादी, भूमिहीनों, रोजगार के मुद्दों पर जिला पदाधिकारीयों ने अपने विचार रखें। जिला अध्यक्ष डॉक्टर रुपेश वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि किसान सभा ने हाई पावर कमेटी के समक्ष 10 प्रतिशत प्लाट, आबादी प्लाट, नये भूमि अधिग्रहण कानून को लागू किए जाने भूमिहीनों के लिए दुकानों में आरक्षण, हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट जिसमें राजस्व परिषद के अध्यक्ष, मंडल आयुक्त और डीएम गौतम बुद्ध नगर सदस्य हैं कमेटी को नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना प्राधिकरण एवं गौतम बुद्ध नगर के अधिग्रहण से प्रभावित सभी किसानों के बारे में अपनी सिफारिश सरकार को 21 मई तक दाखिल करनी थी कमेटी अपनी समय सीमा से देरी से चल रही है।

जिला सचिव सुले यादव ने कहा कि किसान सभा ने पूरे 1 साल लड़ाई लड़कर हाई पावर कमेटी का गठन कराया है।

इस अवसर पर किसान सभा के जिला उपाध्यक्ष अजब सिंह नेताजी के पिताजी रामपाल सिंह के निधन पर 2 मिनट का मौन धारण किया गया। मीटिंग को संबोधित करने वालों में जिला सचिव अशोक भाटी दुष्यंत सेन विजेंद्र नागर सुशांत भाटी संदीप भाटी गवरी मुखिया सुरेश यादव गौरव यादव मोहित यादव नितिन चौहान प्रशांत भाटी निशांत रावल नरेश नागर सुधीर रावल भोजराज रावल सतीश गोस्वामी गुरप्रीत एडवोकेट, रणवीर यादव, निरंकार प्रधान, भगत सिंह, देशराज राणा ओमपाल पंडित जी मैं अपने विचार रखे।

अघोषित विद्युत कटौती को लेकर सेक्टर-11 में प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)।

सेक्टर-56 आरडब्ल्यूए ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा

अघोषित बिजली कटौती के विरोध में सेक्टर-56 प्लॉट होल्डर्स रेजीडेंटस वेलफेयर एसोसिएशन ने सेक्टर-11 विद्युत कार्यालय पर प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष संजय मावी व महामंत्री जी.के.बंसल ने बताया कि रोजाना सुबह, शाम तथा रात को बिजली की अघोषित कटौती हो रही है। जिसके कारण सुबह-शाम पानी की किल्लत हो रही है। बिजली न होने से बुजुर्ग, बीमार तथा बच्चों को भी काफी परेशानी हो रही है। लोगों ने विद्युत कटौती के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लेकिन इस दौरान न तो एसडीओ कार्यालय में मिले और न ही कोई अभियंता। मुख्यमंत्री के दिये ज्ञापन में अघोषित कटौती रोकने व पुराने व जर्जर फेल व तार बदलने की मांग की गई है। आरडब्ल्यूए ने मौके पर मिले कर्मचारियों को ज्ञापन सौंप दिया।

इस अवसर पर सेक्टर-56 आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी व महिलाओं समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।